राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 276 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली,गुरुवार ,08 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

प्रधानमंत्री शुक्रवार को 'ओडिशा इतिहास' के हिंदी संस्करण का करेंगे लोकार्पण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'उत्कल केशरी' डॉ. हरेकृष्ण महताब द्वारा लिखित पुस्तक 'ओडिशा इतिहास' के हिंदी संस्करण का शुक्रवार को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में लोकार्पण करेंगे। अब तक ओड़िया और अंग्रेजी में उपलब्ध इस पुस्तक का हिंदी में अनुवाद शंकरलाल पुरोहित द्वारा किया गया है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और कटक के सांसद भर्तृहरि महताब (एलएस) भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। हिंदी संस्करण के विमोचनका आयोजन हरेकृष्ण महताब फाउंडेशन द्वारा किया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. हरेकृष्ण महताब भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण शख्सियत थे। उन्होंने 1946 से 1950 तक और 1956 से 1961 तक ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने अहमद नगर किला जेल में 'ओडिशा इतिहास' पुस्तक लिखी, जहां उन्हें 1942-1945 के दौरान दो साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया।

नीतिगत दरें यथावत, मासिक किश्त कम होने की उम्मीद नहीं

मुंबई। कोरोना संकट के इस दौर में भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के विकास को गति देने को ध्यान में रखते हुए प्रमुख नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया है जिससे घर, कार आदि पर ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद धुमिल हो गई है। मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद आरबीआई के गवर्नर शक्ति कांता दास ने समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य नीतिगत दरें यथावत रखी गई है। रेपो रेट को 4 फीसदी और रिवर्स रेपो रेट को 3.35 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। उन्होंने कहा कि रेपो दर चार प्रतिशत, रिवर्स रेपो दर 3.35 प्रतिशत पर यथावत है। इसके साथ ही एमएसएफ 4.25 प्रतिशत और बैंक दर 4.25 प्रतिशत पर स्थिर है। ये दरें अब तक के रिकॉर्ड निचले स्तर पर हैं।

श्रीनगर के बाहरी इलाके में कासो अभियान के दौरान गोलीबारी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के बाहरी इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए घेराबंदी और तलाश अभियान (कासो) के दौरान गोलीबारी और एक जोरदार विस्फोट हुआ है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि श्रीनगर के गुलाब बाग में आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना के बाद, राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), जम्मू और कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवानों और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस (सीआरपीएफ) ने मंगलवार रात संयुक्त रूप से घेराबंदी और तलाशी अभियान (कासो) शुरु किया था। क्षेत्र की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया गया था और बाहर जाने के सभी रास्तों को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। हालांकि आज सुबह जब सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया तो गोलीबारी और एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई। सूत्रों ने कहा कि दो से तीन आतंकवादी क्षेत्र में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अभियान अभी जारी है।

इरिट्रिया के विदेश मंत्री बुधवार को आ रहे हैं भारत की यात्रा पर

नई दिल्ली। इरिट्रिया के विदेश मंत्री उस्मान सालेह मोहम्मद 7 से 12 अप्रैल तक भारत की यात्रा पर आ रहे हैं जिसमें दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों के विविध आयामों पर व्यापक चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इरिट्रिया के विदेश मंत्री बुधवार को भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। आठ अप्रैल को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी औपचारिक बैठक होगी। इरिट्रियाई मंत्री 12 अप्रैल को भारत से लौटेंगे। मंत्रालय के अनुसार, भारत और इरिट्रिया के संबंध पुराने हैं। भारत ने इरिट्रिया की आजादी के बाद 1993 में उसे औपचारिक मान्यता प्रदान की थी। पिछले वर्षों में भारत ने इरिट्रिया को अनेक क्षेत्रों में क्षमता निर्माण में सहायता की पेशकश की है।

परीक्षा पर पीएम की पाठशाला: परीक्षा कोई आखिरी पड़ाव नहीं, जिंदगी बहुत लंबी...

सपने को अपना संकल्प बनाएं

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के तहत बच्चों से बातचीत की। पीएम ने कहा, उम्मीद है कि परीक्षा की तैयारी अच्छी चल रही होगी। यह पहला वर्चुअली प्रोग्राम है। हम डेढ़ साल से कोरोना के साथ जी रहे हैं। मुझे आप लोगों से मिलने का लोभ छोड़ना पड़ रहा है। नए फॉर्मेट में आपके बीच आना पड़ रहा है। आपसे न मिलना यह मेरे लिए बहुत बड़ा लॉस है। फिर भी परीक्षा तो है ही। अच्छा है कि हम इस पर चर्चा करेंगे।

परीक्षा के समय बहुत तनाव हो जाता है, तैयारी के दौरान तनाव से कैसे निपटें? -पल्लवी

पीएम का जवाबः आप जब डर की बात करते हैं तो मुझे भी डर लग जाता है। पहली बार परीक्षा देने जा रहे हैं क्या? मार्च-अप्रैल में परीक्षा आती ही है। यह तो पहले से पता होता है। जो अचानक नहीं आया है, वह आसमान नहीं टूट पड़ा है। आपको डर परीक्षा का नहीं है। आपके आसपास माहौल बना दिया गया है कि परीक्षा ही सबकुछ है। इसके लिए पूरा सामाजिक वातावरण, माता-पिता, रिश्तेदार ऐसा माहौल बना देते हैं कि जैसे बड़े संकट से आपको गुजरना है। मैं सभी से कहना चाहता हूं कि यह सबसे बड़ी गलती है। हम जरूरत से ज्यादा सोचने लग जाते हैं। इसलिए मैं समझता हूं कि यह जिंदगी का आखिरी मुकाम नहीं है। बहुत पड़ाव आते हैं। यह छोटा सा पड़ाव है।

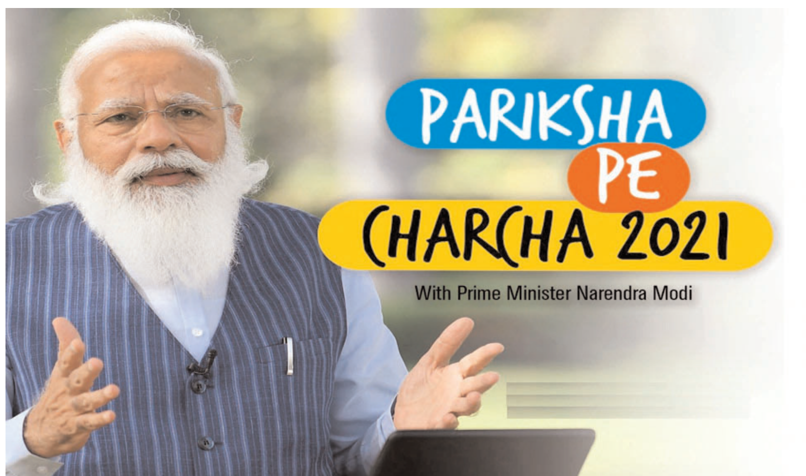

कठिन फैसलों पर पहले विचार करें, सुबह मुकाबला करें..

टीचर्स हमें सिखाते हैं कि जो सरल है उसे पहले करें। एग्जाम में तो खास तौर से कहा जाता है। पढ़ाई को लेकर ये सलाह जरूरी नहीं है। पढ़ाई की बात हो तो कठिन को पहले अटेंड करें। इससे सरल तो और आसान हो जाएगा।मैं मुख्यमंत्री था, फिर प्रधानमंत्री बना। मैं क्या करता था, जो फैसले थोड़े कठिन होते थे। अफसर कठिन लेकर आते थे। मैंने अपना नियम बनाया है। कठिन फैसले पर पहले विचार करना है। रात में आसान फैसलों वाली चीजों के बारे में सोचता हूं। सुबह फिर कठिन से मुकाबला करने के लिए तैयार रहता हूं। सभी लोग हर विषय में पारंगत नहीं होते। किसी एक विषय पर उनकी पकड़ होती है।

81 देशों के छात्रों ने कराया रजिस्ट्रेशन

इस कार्यक्रम पर शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव दूर करने और उनका मनोबल बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका है कि जब 81 देशों के विद्यार्थियों ने रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

परीक्षा पे चर्चा से पहले 17 फरवरी से 14 मार्च के दौरान कई विषयों पर 9वीं से 12वीं कक्षा के बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए ऑनलाइन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें लगभग 14 लाख प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

बंगाल में टीएमसी की दुर्गति तय है 2 मई को मिलेगी मुक्ति - योगी

"मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2 मई को बंगाल को तृणमूल सरकार से मुक्ति मिलेगी। तृणमूल के गुंडों को कानून के शिकंजे में कसा जाएगा।

कोलकाता, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दीदी इस समय इतनी नाराज हैं कि वो कह रही हैं कि जय श्रीराम बोलोगे तो जेल में डाल देंगे। चिढ़ भाजपा से या हम से हो सकती है, राम से क्यों ? राम से टकराने का जिसने भी दुस्साहस किया है उसकी दुर्गति हुई है, बंगाल में तृणमूल की दुर्गति तय है। तृणमूल सरकार से मिलेगी मुक्ति उन्होंने कहा कि 2 मई को बंगाल को तृणमूल सरकार से मुक्ति मिलेगी। तृणमूल के गुंडों को कानून के शिकंजे में कसा जाएगा। ये तय है कि अपराधी को कांग्रेस, कम्युनिस्ट,तृणमूल जैसे दल संरक्षण जरूर देंगे लेकिन कानून के लंबे हाथ इन्हें पाताल से भी निकाल कर जेल के अंदर भेजने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव हमारे लिए केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं है बल्कि बंगाल के प्रत्येक नागरिकों के जीवन में खुशहाली पैदा करने के साथ-साथ सोनार बांग्ला का सपना पूरा करने का चुनाव है। इसमें बंगाल के हर तबके के लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसीलिए मुझे भी आपके बीच में आना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सोनार बांग्ला का सपना तब पूरा होगा जब हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुरूप काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस भी कार्य को आगे बढ़ाया है उसमें सफलता प्राप्त हुई है। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले विकास के पैमाने पर उत्तर प्रदेश पिछड़ गया था लेकिन मात्र चार सालों में उत्तर प्रदेश की प्रगति देश के भीतर सबसे अच्छी प्रगति के तौर पर सामने

अब बंद कार में भी मास्क पहनना हुआ जरूरी, दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया अहम आदेश

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली हाई कोर्ट ने एक याचिका का निपटारा करते हुए कहा है कि बंद कार में अकेले हों तो भी मास्क लगाना जरूरी है। इस आदेश के बाद कार में अंदर बैठे इकलौते शख्स को भी मास्क लगाना अनिवार्य होगा। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति अकेले ड्राइविंग कर रहा है तो भी मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि मास्क एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है जो कोरोना वायरस के प्रसार को रोकता है। कुल चार याचिकाएं मास्क को लेकर दायर की गई थीं, जिनका निपटारा कर दिया गया है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा है कि मास्क पहनने को अहं का मुद्दा नहीं होना चाहिए। कोर्ट के मुताबिक, यह कोविड-19 संक्रमण से स्वयं और दूसरों के बचाव का तरीका है। दरअसल, हाई कोर्ट ने यह बात एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कही, जिसमें अकेले निजी कार चलाते हुए मास्क नहीं पहनने पर हुए चालान को

चुनौती दी गई थी।

वहीं, कुछ महीने पहले केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दिल्ली हाई कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा था कि हमारी तरफ से ऐसी कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं की गई है। यानी कि अगर कोई शख्स कार में अकेले सफर कर रहा है तो उसके लिए मास्क लगाना अनिवार्य नहीं है। बता दें कि दिल्ली में अकेले गाड़ी में ड्राइविंग करते वक्त मास्क ना लगाने पर लोगों का 2000 रुपये का चालान काटा जाता है।। इससे पहले चालान की राशि 500 रुपये रखी गई थी।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों द्वारा मास्क नहीं पहनने की खतरनाक स्थिति का संज्ञान लेते हुए विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को निर्देश दिया था कि सभी घरेलू एयरपोर्ट पर मास्क लगाने के दिशानिर्देशों का सख्ती पालन सुनिश्चित कराएं। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने कहा था कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाए। पीठ ने यह भी कहा था कि सरकार द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों के तहत ही मुंह और नाक को कवर करते हुए ही मास्क लगाना सुनिश्चित कराया जाए। आदेश में कहा गया था था कि इन-फ्लाइट क्रू सदस्य समय-समय पर विमान के अंदर जांच करें कि मास्क लगाने का यात्री पालन कर रहे हैं और अगर कोई उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। कोर्ट का मानना था कि विमान के अंदर यात्री एसी के पास बैठते हैं और अगर कोई एक व्यक्ति भी कोरोना संक्रमित है तो वह दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। इतना ही नहीं अगर कोई बिना लक्षण वाला व्यक्ति विमान है और वह बात करता है तो वह दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है।

चुनाव प्रचार में लगे हर व्यक्ति के लिए मास्क अनिवार्य करने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में अर्जी

दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके उससे चुनाव आयोग और केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की अपील की गयी है कि विभिन्न राज्यों में मौजूदा चुनाव के दौरान प्रचार में लगे सभी लोग अनिवार्य तौर पर मास्क लगाएं। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जस्मीत सिंह की पीठ के सामने वकील विराग गुप्ता ने याचिकाकर्ता की ओर से इस अर्जी का उल्लेख किया। अदालत ने इस याचिका को बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध करने की इजाजत दी। गुप्ता ने पीठ से कहा कि वह इस आवेदन को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए उसके सामने उल्लेख कर रहे हैं क्योंकि रजिस्ट्री ने इसे 30 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया है और इतने दिन बाद की तारीख से मांगी गयी राहत बेमतलब रह जाएगी। यह याचिका विक्रम सिंह नामक एक व्यक्ति ने दायर की जिन्होंने चुनाव आयोग को ''विधानसभा चुनाव के दौरान अनिवार्य तौर पर मास्क लगाने और आपस में दूरी बनाकर रखने के बारे में डिजिटल, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाने का'' निर्देश देने का भी अनुरोध किया है।

देश में कोविड-19 के अब तक के सर्वाधिक 1.15 लाख से ज्यादा मामले सामेन आए

नयी दिल्ली, (वेबवार्ता)। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1.15 लाख से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं और ये देश में वैश्विक महामारी फैलने की शुरुआत होने के बाद से संक्रमण के अब तक के सबसे ज्यादा दैनिक मामले हैं। देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,28,01,785 हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि तीन दिन में दूसरी बार ऐसा हुआ है, जब कोराना वायरस संक्रमण के एक दिन में एक लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं।

मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 1,15,736 मामले सामने आए तथा

630 और मरीजों की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,66,177 हो गयी। देश में लगातार 28वें दिन संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी होने से उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी बढ़कर 8,43,473 हो गयी है जो कि संक्रमण के कुल मामलों का 6.59 प्रतिशत है। वहीं, लोगों के स्वस्थ होने की दर भी गिरकर 92.11 प्रतिशत हो गयी है। देश में उपचाराधीन मरीजों की सबसे कम संख्या 12 फरवरी को थी। देश में 12 फरवरी को यह संख्या 1,35,926 थी जो कि संक्रमण के कुल मामलों का 1.25 प्रतिशत थी। आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण से अब तक 1,17,92,135 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि मृत्यु दर गिरकर 1.30 प्रतिशत हो गयी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख रहे और 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार चले गए थे।

अमित शाह के रोड शो के दौरान जय श्रीराम के नारों से गूंजा हावड़ा

कोलकाता, (वेबवार्ता)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के चलते केन्द्रीय गृह मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने आज कोलकाता से सटे हावड़ा जिले में रोड शो किया। रोड शो के दौरान हावड़ा शहर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। बुधवार अपराह्न को शाह ने जिले के डोमजूर में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ रोड शो किया। रोड शो के दौरान भीड़ के चलते पूरे शहर में जाम की स्थिति बनी रही। रोड शो के पहले पूरा इलाका भारतीय जनता पार्टी के बैनर और पोस्टर से पाट दिया गया था। अमित शाह के रोड शो में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के जय श्रीराम के नारों के साथ वंदे मातरम, भारत माता की जय और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों से पूरा शहर गूंजता रहा। शो के दौरान सड़कों के दोनों ओर बड़ी संख्या में खड़े लोगों ने शाह का अभिवादन किया।आसपास की

इमारतों से भी अमित शाह पर फूलों की बारिश होती रही। भारी भीड़ और कार्यकर्ताओं के उत्साह से गदगद अमित शाह ने लगातार लोगों को विक्ट्री का सिंबल दिखा कर प्रेरित करते रहे। करीब 36 मिनट तक चले इस रोड शो के दौरान उन्होंने लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

RBI मॉनिटरी पॉलिसी: सस्ती ईएमआई के लिए करना होगा इंतजार

ब्याज दरों में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक खत्म हो गई जिसके बाद रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस बैठक के नतीजों की घोषणा की। भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इसकी वजह से लोन की ईएमआई पर और राहत नहीं मिलेगी। आपको बत दें, रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 4 फीसदी पर बरकरार रखा है। गौरतलब है कि MPC की तीन दिन की बैठक 5 अप्रैल को शुरू हुई

रिजर्व बैंक ने इस वित्त वर्ष यानी 2021-22 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को भी 10.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। शक्तिकांत दास ने कहा कि कोरोना का प्रसार बढ़ने के बावजूद इकोनॉमी में सुधार हो रहा है।

थी। रिजर्व बैंक ने इस वित्त वर्ष यानी 2021-22 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को भी 10.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। शक्तिकांत दास ने कहा कि कोरोना का प्रसार बढ़ने के बावजद इकोनॉमी में सुधार हो रहा है। हालांकि हाल में जिस तरह से मामले बढ़े हैं, उससे थोड़ी अनिश्चितता बढ़ी है, लेकिन भारत चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है. उन्होंने कहा कि फरवरी में खुदरा महंगाई 5 फीसदी की ऊंचाई पर रहने के बावजूद यह रिजर्व बैंक के सुविधाजनक सीमा के दायरे में है। रिजर्व बैंक ने रिवर्स रेपो रेट को भी 3.35 फीसदी पर बरकरार रखा है। बैंक रेट भी 4.25 फीसदी पर यथावत है।

सेना में अब दो की बजाय तीन वाइस चीफहोंगे, अफसरों के भी घटेंगे पद

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। सेना के पुनर्गठन की प्रक्रिया के बीच एक साल के भीतर कई महत्वपूर्ण बदलाव किए जा चुके हैं। सेना में अब दो की बजाय तीन वाइस चीफ होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सीपी करियप्पा ने सेना मुख्यालय में मास्टर जनरल सस्टेनेंस (एमजीएस) का पदभार जनरल आफिसर कमांडिंग के रूप में संभाल लिया है। हालांकि अब यह पद सेना के तीनों उप प्रमुखों में से एक के अधीन रखा गया है। सेना मुख्यालय में कई नए पद सृजित किए गए हैं जबकि कुछ पदों को सुधार के हिस्से के रूप में रखा गया है। लेफ्टिनेंट जनरल सीपी करियप्पा का यह एक नया पद है, जिसे सेना मुख्यालय में

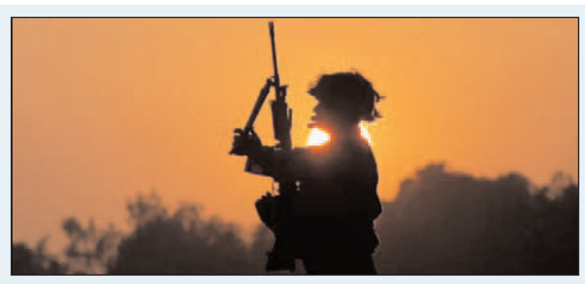

किए गए सुधारों की श्रृंखला के हिस्से के रूप में सृजित किया गया है। यह पद पहले से चली आ रही मास्टर जनरल ऑर्डिनेंस (एमजीओ) पोस्ट को बदलने के लिए बनाया गया है। एमजीएस के पास भारतीय सेना के लिए गोला-बारूद, कपड़े, जनरल स्टोर और युद्धक उपकरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी होगी। लेफ्टिनेंट जनरल सीपी करियप्पा नेशनल डिफेंस एकेडमी और इंडियन मिलिट्री एकेडमी के पूर्व छात्र रहे हैं। एमजीओ का पद पहले सेना प्रमुख के लिए प्रमुख स्टाफ अधिकारी (पीएसओ) की तरह हुआ करता था।

संक्षिप्त समाचार

भारत जैसे प्रतिबंधित देशों से नहीं लेगा पाक 50 हजार टन सफेद चीनी

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान भारत जैसे प्रतिबंधित देशों से 50 हजार टन सफेद चीनी नहीं लेगा। वहां की सरकारी ट्रेडिंग कंपनी टीसीपी ने 50,000 टन सफेद चीनी के आयात के लिये वैश्विक निविदा जारी की है।

भारत के चीनी उद्योग ने इस कदम को पड़ोसी देश के लिये दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। यह ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पकिस्तान (टीसीपी) की तीसरी निविदा है जो जारी की गई है। इससे पहले, ऊंचे मूल्य की बोली की वजह से 50,000-50,000 टन की दो निविदाओं को रद्द कर दिया गया था।

पाकिस्तान में चीनी उत्पादन कम हुआ है। ऐसे में वह घरेलू उपलब्धता बढ़ाने तथा खुदरा मूल्य पर अंकुश लगाने के लिये चीनी आयात का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान में चीनी का मूल्य 100 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपया) पहुंच गया है। पिछले सप्ताह, पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति द्वारा भारत से चीनी और कपास के आयात की अनुमति देने के बाद, अचानक से दोनों देशों के बीच व्यापार शुरू होने की उम्मीद जगी थी। हालांकि, बाद में पाकिस्तान के मंत्रिमंडल ने इस निर्णय को पलट दिया। टीसीपी ने 50,000 टन चीनी के आयात के लिये निविदा जारी करते हुए यह साफ किया है कि सफेद चीनी का आयात इस्त्राइल या अन्य किसी प्रतिबंधित देश से नहीं होना चाहिए। वैश्विक आपूर्तिकताओं को 14 अप्रैल तक बोली जमा करने को कहा गया है। चीनी की आपूर्ति कराची बंदरगाह पर करनी होगी।

मस्जिद से गिरफ्तार किए आईएस के 5 आतंकी

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान ने एक मस्जिद से 5 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तानी पंजाब राज्य में दबोचे गए ये आतंकी इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकी संगठन के सदस्य हैं। पांचों आतंकी मस्जिद में लोगों को घृणा फैलाने वाला साहित्य बांट रहे थे और उनसे चंदा जमा कर रहे थे। पंजाब पुलिस के आतंक निरोधी विभाग (सीटीडी) को लाहौर की रक्षा आवासीय प्राधिकरण में भट्टा चौक के करीब एक मस्जिद में दाएश (द आईएसआईएस) के सदस्यों की मौजूदगी की पक्की सूचना मिली थी। सीटीडी ने छापा मारकर पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है।

सीटीडी प्रवक्ता के मुताबिक, इन आतंकियों की पहचान नजीफउल्लाह, जिया उर रहमान, मुहम्मद इश्तियाक, अब्दुल रहमान बट और मलिक काशिफ के तौर पर की गई है। इनके कब्जे से 40 प्रतिबंधित किताबें, जुटाया गया चंदा और दाएश की दो रसीद बुक बरामद की गई हैं। रसीद बुक पर दाएश का लोगो छपा था। जब्त किताबों में ओसामा बिन लादेन पर लिखी गई एक किताब की 15 प्रतियां हैं। पांचों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद पूछताछ शुरू की है।

विशाल तारे में महाविस्फोट से आकाश चमकेगा

नासा, (एजेंसी)। आने वाले दिनों में एक विशाल तारे में महाविस्फोट की घटना होने जा रही है। इसकी चमक इतनी तेज होगी कि भरे दिन में भी आकाश चमकीला हो जाएगा और देखने वालों की आंखें चौंधिया जाएंगी। खगोल विज्ञान की भाषा में इसे सुपरनोवा इवेंट कहते हैं। यानी एक तारे की मृत्यु। जिस तारे में यह विराट विस्फोट होगा उसका नाम बेटेलजूज है। इस घटना को लेकर नासा समेत दुनिया के कई देशों की दूरबीनें इस पर नजर रखे हुई हैं। असल में सुपरनोवा की घटनाएं सदियों बाद हुआ करती हैं। इस दुर्लभ घटना को अपनी आंखों से देखने के लिए विज्ञानियों को बेसब्री से इंतजार है। बेटेलजूज का विस्फोट सुपरनोवा के कई रहस्यों से पर्दा उठाएगा। इस कारण यह विज्ञानियों के आकर्षण का केंद्र है। अभी इसकी चमक घट-बढ़ रही है। असल में यह मृत्यु की ओर अग्रसर है।

ओवेरी शहर में सशस्त्र हमले के बाद 1,844 कैदी फरार

अबूजा, (एजेंसी)। नाइजीरिया में सशस्त्र हमले के बाद 1,844 कैदी फरार हो गए है। नाइजीरियाई सुधार सेवा (एनसीएस) ने कहा है कि ओवेरी शहर में उनके एक प्रतिष्ठान पर सशस्त्र हमले के बाद 1,844 कैदी भाग गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एनसीएस के प्रवक्ता फ्रांसिस एनोबोर ने एक बयान में कहा कि अज्ञात बंदूकधारियों ने सोमवार को अपराह्न करीब 2.15 बजे इस प्रतिष्ठान पर धावा बोल दिया और प्रशासनिक ब्लॉक में रखे विस्फोटकों का इस्तेमाल करके यार्ड में घुस गए।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बंदूकधारी इस प्रतिष्ठान में पहुंचे। वे आधुनिक हथियारों से लैस थे। वहां पहुंचने के साथ ही ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के साथ उनकी मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने प्रतिष्ठान में प्रवेश करने के लिए विस्फोट कर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यवाहक महानिदेशक जॉन म्राबुरे ने घटना की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं और अन्य सुरक्षा संगठनों के साथ मिलकर भागने वाले कैदियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। प्रवक्ता ने लोगों से इन फरार कैदियों की खुफिया जानकारी देने का आह्वान किया है ताकि उन्हें फिर से पकड़ने में मदद मिल सके। साथ ही उन्होंने यह प्रतिबद्धता भी दोहराई कि कैदी सुधार प्रतिष्ठानों की पर्याप्त सुरक्षा बरकरार है।

कॉरपोरेट कर में बढ़ोतरी के बावजूद देश से बाहर नहीं जाएंगी कंपनियां : बाइडेन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उम्मीद जताई है कि कॉरपोरेट कर की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव के बावजूद कंपनियां देश से बाहर नहीं जाएंगी। व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, 'पहले कर की दर 36 फीसद थी, लेकिन वर्तमान में यह 21 प्रतिशत है। अब हम 28 प्रतिशत कर की बात कर रहे हैं। सभी का मानना है कि कर यह दर सबके लिए उपयुक्त है।' एक सवाल के जवाब में बाइडेन ने कहा, 'फॉर्च्यून 500 की 51 या 52 कंपनियों ने तीन वर्ष में कर के रूप में एक पैसा भी नहीं दिया है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह परिस्थितियों में बदलाव का पूरा प्रयास करेंगे जिससे अमेरिका शेष दुनिया से प्रतिस्पर्धा कर सकेगा। बाइडेन ने कहा, 'दुनियाभर के सभी देश बुनियादी ढांचे में अरबों-खरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं। हम भी यही काम देश में करेंगे।' इस बीच अमेरिकी वित्त मंत्री जैनेट येलेन ने कहा है कि कर प्रतिस्पर्धा के दबाव को कम करने और कॉरपोरेट टैक्स में कमी से बचने के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। येलेन ने कहा, 'हम जी-20 के देशों के साथ काम कर रहे हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कॉरपोरेट कर की दर पर सहमति बनाई जा सके और इस दौड़ को रोका जा सके।'

उत्तर कोरिया ने कोविड-19 मुक्त होने का किया दावा, डब्ल्यएचओ को सौंपी रिपोर्ट

सियोल, (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने दावा किया है कि उसकी सीमा में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण की घुसपैठ नहीं हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन को पेश किए गए अपने रिपोर्ट में एक बार फिर उत्तर कोरिया ने बताया है कि वहां अब तक कोविड-19 का एक भी मामला नहीं आया है और उसका रिकॉर्ड कायम है। कोविड-19 महामारी की शुरूआत को एक साल से अधिक समय बीत चुका है और अब तक उत्तर कोरिया ने अपने प्रयासों के बदौलत घातक वायरस से दूरी बरकरार रखा है। इस क्रम में इसने अपनी सीमाओं को बंद कर दिया, पर्यटकों पर रोक लगा दी साथ ही राजनयिकों को बाहर कर दिया।

इसके अलावा सीमा पार ट्रैफिक को लगभग बंद कर दिया और महामारी के लक्षण दिखते ही हजारों लोगों को क्वारंटाइन कर दिया, लेकिन इसके बाद भी उत्तर कोरिया का कहना है कि उसके देश में कोविड-19 का एक भी मामला सामने नहीं आया। उत्तर कोरिया ने कोरोनावायरस से देश को बचाने के अपने प्रयास को राष्ट्र के अस्तित्व का सवाल करार दिया था। उत्तर कोरिया के इस दावे पर भरोसा करना मुश्किल है क्योंकि उत्तर कोरिया की स्वास्थ्य व्यवस्था अच्छी स्थिति में नहीं है और देश का कारोबार भी संक्रमण से प्रभावित चीन के साथ है और यह कारोबार उसकी अर्थव्यवस्था के लिए जीवन रेखा के समान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के उत्तर कोरिया के प्रतिनिधि एडविल सल्वाडोर ने बुधवार को बताया कि उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने महामारी की शुरूआत से एक अप्रैल तक 23,121 लोगों की जांच की है, लेकिन इनमें से कोई भी संक्रमित नहीं पाया गया। सल्वाडोर ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 26 मार्च से एक अप्रैल के बीच 732 लोगों की जांच की।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कोरिया में क्वारंटाइन किए गए लोगों की संख्या अब एजेंसी के साथ साझा नहीं कर रहा है। उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह कोरोना से अपने खिलाड़ियों की रक्षा करने के लिए टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा नहीं लेगा।

पूर्वी सागर में लड़ाकू विमान भेजेगा जापान

बीजिंग, (एजेंसी)। दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में आक्रामक चीनी गतिविधियों में लगातार वद्धि देखते हुए अमेरिका, जापान और फिलीपींस ने भी प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई की है। बीजिंग के इन क्षेत्रों में समुद्री दावों के बीच चीन और अमेरिका ने पूर्व और दक्षिण चीन सागर की विवादित सीमा में विमान वाहक पोत रवाना कर दिए हैं। वहीं, जापान ने 2024 तक यहां एफ-35 लड़ाकू विमान तैनात करने का फैसला लिया है। बता दें कि चीन ने दक्षिण सागर के व्हिटसन टापू पर 200 से ज्यादा जहाजों को भेजा है।फिलीपींस ने चेताया कि वह इन जहाजों को पीछे हटा ले। इस बीच चीन ने दक्षिण सागर में जहां रणनीतिक जहाज रवाना किया वहीं अमेरिका ने भी यूएसएस थेओडोर रूजवेल्ट नामक विमान वाहक जंगी जहाज के बेड़े को क्षेत्र की मलक्का खाड़ी की तरफ रवाना कर दिया है। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव के हालात बन गए हैं। बीजिंग इस क्षेत्र में अपना दावा करता है तो अमेरिका ने यहां मुकाबला करने के लिए सैन्य अभ्यास किया है। दूसरी तरफ, पूर्वी चीन सागर में जापान भी चीनी विमान वाहक जंगी जहाज बेड़े की घुसपैठ के बाद 2024 तक क्षेत्र में एफ-35बी लड़ाकू विमान तैनात करेगा। इन्हें पूर्वी सागर में द्वीपों की रक्षा के लिए मियाजाकी प्रांत में एयरबेस पर तैनात किया जाएगा। यह क्षेत्र विवादित सेनकाकू द्वीप समूह से मात्र 1030 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में है।

अमेरिका में 19 अप्रैल से सभी वयस्कों को लगेगा टीका

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका में प्रत्येक वयस्क व्यक्ति 19 अप्रैल से कोविड-19 टीकाकरण के लिए योग्य होगा। बाइडन ने अमेरिका में सभी लोगों के लिए टीकाकरण का लक्ष्य पहले 1 मई निर्धारित किया था, जिसे घटाकर करीब दो सप्ताह पहले 19 अप्रैल से सभी वयस्कों को टीकाकरण के लिए पात्र बताया है। बाइडन ने व्हाइट हाउस में अपनी टिप्पणी में कहा, 19 अप्रैल से, 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के प्रत्येक वयस्क को टीकाकरण के योग्य माना जाएगा। कोई और अधिक भ्रमित करने वाले नियम नहीं हैं। राष्ट्रपति ने 19 अप्रैल को सभी वयस्कों के लिए पात्रता का विस्तार करने से पहले देश भर के वरिष्ठ नागरिकों से टीकाकरण कराने का भी आग्रह किया। बाइडन ने कहा कि उनके 75 दिनों के कार्यालय के दौरान वैक्सीन की 150 मिलियन (1.5 करोड़) खुराक वरिष्ठ नागरिकों के लिए दिए गए। इस दौरान 75 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों को वैक्सीन की कम से कम एक खुराक दी गई। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जब वह 100 दिन का कार्यकाल पूरा करेंगे, तब तक वे 200 मिलियन (दो करोड़) टीकाकरण को पूरा कर चुके होंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका गर्मी के अंत तक अन्य देशों के साथ वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक को साझा करेगा। बता दें कि अमेरिका अपने टीकाकरण लक्ष्य से काफी आगे है। सभी 50 राज्यों में टीकाकरण का अभियान तेजी से चल रहा है। जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में इस एलान से पहले वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में एक टीकाकरण केंद्र का दौरा किया। इस घोषणा के बाद बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा ताकि महामारी को हराया जा सके और अमेरिका की अर्थव्यवस्था पूरी ताकत से वापसी कर सके। पिछले महीने के अंत में दिए गए व्हाइट हाउस के एक बयान के मुताबिक, जो बाइडन का कहना है कि उनका प्रशासन संघीय फॉमेर्सी टीकाकरण कार्यक्रम में फार्मेसियों की संख्या 17,000 से बढ़ाकर लगभग 40,000 कर रहा है, जबकि 19 अप्रैल तक एक दर्जन से अधिक सामूहिक टीकाकरण केंद्रों का निर्माण किया जाएगा।

टोमैटो कैचअप की कमी से जूझ रहा अमेरिका, कोरोना ने किया बेहाल

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना महामारी हर मोर्चे से आम आदमी को परेशान किया है। पहली बार लॉकडाउन लगने पर लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, इसी बीच अमेरिकियों को एक और समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि जल्द ही अमेरिकियों के पास फ्राईज या बर्गर में इस्तेमाल होने वाले टोमैटो केचप की कमी पड़ सकती है।महामारी की वजह से लगभग सभी रेस्त्रां में टेक अवे की सुविधा को ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है, ऐसे में मैन्यूफैक्चर्स को टोमैटो केचप के सिंगल-यूज प्लास्टिक पैकेट की मांग को पूरा करने में परेशानी को सामना करना पड़ रहा है। टोमैटो केचप बनाने वाली बहुचर्चित कंपनी हेंज के प्रवक्ता ने कहा कि महामारी के दौरान मांग में तेजी देखी गई है। नई स्थिति के मद्देनजर कंपनी ने प्रोडक्शन प्रक्रिया में काफी बदलाव किए हैं।

कंपनी ने कहा कि आपूर्ति से ज्यादा केचप की मांग है। इस मांग के चलते कंपनी ने अपने फैक्टरी में कई और प्रोडक्शन लाइंस की शुरूआत की है, जिससे केचप की मैन्यूफैक्चरिंग में 25 फीसदी का इजाफा हो गया है। कंपनी ने बताया कि एक साल में 12 बिलियन टोमैटो केचप के पैकेट बनाए जा रहे हैं। वहीं साल 2020 के बाद से केचप पैकेट की कीमत में भी 13 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। एक रेस्त्रां के मालिक का कहना है कि बिना केचप के फ्राईज कैसे दिया जा सकता है। कंपनी ने अपने ग्राहकों से इसके लिए माफी भी मांगी है।

कोरोना वैक्सीन के लिए वेश्याओं ने की हड़ताल, बोलीं-हम भी फ्रंटलाइन वर्कर्स

ब्रासीलिया, (एजेंसी)। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए वैक्सीन ही एकमात्र ऐसा विकल्प है, जो थोड़ी राहत दे सकता। ऐसे में हर किसी नागरिक का कोरोना वैक्सीन की खुराक ले लेना जरूरी बन जाता है। इसी सिलसिले में ब्राजील के दक्षिणपूर्व शहर बेलो होरिजोंटे में वहां की वेश्याएं एक सप्ताह के धरना प्रदर्शन पर बैठ गई हैं। इनकी मांग है कि कोरोना वायरस वैक्सीन की प्राथमिकता सूची में इनको भी शामिल किया जाए। महामारी के दौरान इन महिलाओं को भी कई तरह की परेशानियां झेलनी पड़ी। महामारी को देखते हुए होटल बंद कर दिए गए थे, जिस कारण शहर की हजारों वेश्याओं को अपनी सेवाएं देने के लिए किराए पर कमरे लेने पड़े। मिनास गैरेस राज्य के वेश्याओं के संघ की अध्यक्ष सीडा विएरा ने कहा कि हम फ्रंटलाइन में खड़े हैं, हम भी फ्रंटलाइन वर्कर्स हैं और हम अर्थव्यवस्था चला रहे हैं, ऐसे में हम पर भी जोखिम की तलवार लटकी हुई है। उन्होंने कहा कि हमें भी वैक्सीन की खुराक लेने की जरूरत है। विएरा अपनी साथी महिलाओं के साथ सोमवार को धरना प्रदर्शन करती नजर आईं। जहां ये वेश्याएं अपना व्यापार करती थीं, उस जगह पर महामारी की वजह से होटल बंद कर दिए गए हैं और उसी गली के बाहर ये धरना प्रदर्शन कर रही हैं। धरने पर बैठी एक वेश्या ने कहा कि हम प्राथमिक समूह का एक हिस्सा हैं क्योंकि हम हर दिन अलग-अलग लोगों से मुलाकात करते हैं और अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं। महिला ने बताया कि सरकार ने पहले ही स्वास्थ्य कर्मचारियों, अध्यापकों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को वैक्सीन लगाने के प्राथमिक समूह में शामिल किया हुआ है। बता दें कि ब्राजील में भी कोरोना की दूसरी लहर चल रही है हालांकि एक लाख जनसंख्या पर 121 मौते ही दर्ज की गई हैं, जो कि सबसे कम है। ब्राजील में कोरोना की वजह से 3,32,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका के बाद ब्राजील में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

जापान ने उत्तर कोरिया पर लगाई पाबंदी 2 साल और बढ़ाई

टोक्यो। जापान ने उत्तर कोरिया के खिलाफ लागू प्रतिबंध की अवधि दो साल और बढ़ा दी है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव कातसुनोबु कातो ने यह घोषणा की। जापान ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि उत्तर कोरिया ने जापानी नागरिकों के अपहरण मामले का विवाद सुलझाने की दिशा में कोई प्रगति किए बिना परमाणु हथियारों का विकास जारी रखा है। प्रतिबंध की अवधि 13 अप्रैल को खत्म होने वाली थी। जापान ने दोनों देशों के बीच सभी प्रकार के व्यापार पर रोक लगा रखी है और उत्तर कोरिया में पंजीकृत पोतों को उसके बंदरगाहों में प्रवेश की अनुमति नहीं है। वे केवल मानवीय उद्देश्य से प्रवेश कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच उड़ानों पर भी प्रतिबंध है। जापान परमाणु एवं मिसाइल कार्यक्रमों के खिलाफ उत्तर कोरिया पर लगाए संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों का भी पालन करता है। इससे पहले उत्तर कोरिया ने करीब एक साल में पहली बार 25 मार्च को दो बैलेस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया था, जिसकी जापान, अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने निंदा की थी।

सीरम जैसा संस्थान भारत का सौभाग्य : विश्व बैंक अध्यक्ष

नई दिल्ली, (संवाददाता)। विश्व बैंक अध्यक्ष डेविड मालपास ने कहा कि भारत सौभाग्यशाली है जो उसके पास सीरम इंस्टीट्यूट जैसा वैश्विक टीकों का एक बड़ा निमार्ता है। उन्होंने यह टिप्पणी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष व विश्व बैंक की आगामी बैठक से पूर्व मीडिया से चर्चा के दौरान की। मालपास ने कहा, मेरा सीरम इंस्टीट्यूट के साथ काफी संपर्क रहा है। यह साफ नहीं है कि अमेरिका, यूरोप में, द.अफ्रीका या भारत में स्थानीय मांगों की आपूर्ति के लिए स्थानीय उत्पादन की क्या जरूरतें हैं। इस बीच सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने जून से दोबारा कोविड वैक्सीन का निर्यात शुरू करने की उम्मीद जताई है।

वहीं, विश्व की सबसे बड़ी वैक्सीन निमार्ता भारतीय कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने जून से दोबारा कोविड वैक्सीन का निर्यात शुरू करने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि यह उसी स्थिति में होगा, यदि भारत में नए कोरोना वायरस संक्रमण का असर कम दिखाई देता है। लेकिन देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी से वैक्सीन निर्यात में और ज्यादा देरी हो सकती है, क्योंकि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को पहले घरेलू जरूरतों को पूरा करना होगा।

विश्व में हर किसी को समान रूप से वैक्सीन की उपलब्धता के लक्ष्य वाले अमेरिका समर्थित कोवाक्स प्रोग्राम के लिए सीरम इंस्टीट्यूट सबसे अहम सप्लायर है। लेकिन कोवाक्स ने 25 मार्च को अपने इस वैक्सीन कार्यक्रम को बड़ा झटका लगने की घोषणा की थी, क्योंकि भारत में बढ़ते संक्रमण के कारण सीरम इंस्टीट्यूट को घरेलू मांग को पूरी करने में जुटना पड़ा था। इसके चलते 9 करोड़ वैक्सीन की वैश्विक सप्लाई में देरी होना तय हो गया था।

अमेजन ने गैर-कानूनी रूप से 2 महिला कर्मियों का हटाया : श्रम बोर्ड

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय श्रम बोर्ड ने पिछले साल अमेजन कंपनी ने दो महिला कर्मियों को गैर-कानूनी ढंग से निकालने की पुष्टि की है। एमिली कनिंघम और मारन कोस्टा नामक दोनों कर्मचारियों ने सिएटल स्थित अमेजन के दफ्तरों में काम किया और सार्वजनिक रूप से कंपनी की आलोचना की। अमेजन ने कहा कि इन कर्मचारियों को बार-बार आंतरिक नीतियों का उल्लंघन करने पर निकाला गया। यह मामला चूंकि जलवायु परिवर्तन पर सुझावों से जुड़ा है इसलिए इसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हो रही है। दरअसल, एमिली कनिंघम और मारन कोस्टा ने कंपनी को जलवायु परिवर्तन पर अपने असर को कम करने के लिए और कंपनी के गोदामों में काम करने वाले मजदूरों को कोरोना वायरस से बचाने के लिए और बेहतर कदम उठाने के लिए कहा था।

कनिंघम ने राष्ट्रीय श्रम बोर्ड से मिले एक ईमेल को साझा करते हुए बताया कि अमेजन ने दोनों कर्मचारियों के अधिकारों का उल्लंघन किया था। बोर्ड ने खुद भी कहा है कि मामला महत्वपूर्ण है और यदि अमेजन ने इसका समाधान नहीं किया तो उसके खिलाफ शिकायत दर्ज की जाएगी। कनिंघम ने कहा कि कंपनी ने हमारी आवाज दबाने की कोशिश की लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाई। अमेजन में कर्मचारियों का एक समूह चाहता था कि विशाल कार्बन फुटप्रिंट वाली यह कंपनी जलवायु परिवर्तन के खिलाफ और कदम उठाए और तेल और गैस कंपनियों के साथ व्यापार बंद कर दे। कोस्टा और कनिंघम की वार्ता योजना से पहले ही कंपनी ने उन्हें हटा दिया। अब बोर्ड को यदि कंपनी सही जवाब नहीं दे पाई तो अमेजन को इन कर्मियों को हजार्ना देते हुए नौकरी पर वापस लेना होगा।

नासा के मार्स रोवर परसिवरेंस ने खींची फोटो

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरीक्ष एजेंसी नासा के मार्स रोवर परसिवरेंस ने एक फोटो खींची है, जिसमें मंगल ग्रह क आसमान में रेनबो दिखाई दे रहा है। यह रेनबोदेखने में काफी खूबसूरत है। ऐसा पहली बार हुआ है जब रोवर ने धरती से इतनी दूर कोई चीज को कैमरे में कैप्चर की हो। इस बात की जानकारी नासा ने ट्वीट कर दी है।बता दें कि नासा का परसिवरेंस रोवर फरवरी में मंगल ग्रह के जेजीरो क्रेटर में उतरा था। मंगल ग्रह पर नासा अबतक 5 रोवर भेज चुकी है। वहीं नासा ने मंगल पर हेलीकॉप्टर इंजेंवेनिटी भी भेजा है, जिसे फिलहाल इसकी सतह पर उतार दिया गया है। नासा ने कहा है कि बहुत लोगों का कहना है कि क्या मंगल पर इंद्रधनुष हैं। इसका जवाब देते हुए नासा ने कहा कि लाल ग्रह पर रेनबो नहीं हो सकता है। नासा ने कहा कि रेनबो रोशनी के रिफ्लेक्शन और पानी की छोटी बूंदों से बनता है। मंगल पर इतना पानी मौजूद नहीं हैं। यहां पर मौसम में तरल पानी के अपेक्षा बेहद ठंडा है। नासा ने कहा, लाल ग्रह के आकाश में दिखाई देने वाला इंद्रधनुष दरअसल रोवर के कैमरे में लगे लैंस की एक चमक है। बता दें मंगल ग्रह का वातावरण सूखा है। जहां वातावरण में 95 फीसद टॉक्सिक कार्बनडाईऑक्साइड है। वहीं 4 फीसद नाइट्रोजन व अरगोन जबकि एक फीसद ऑक्सीजन है।नासा के प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव डेव लावेरी ने बताया कि फोटो में दिखाई दे रहा कलर्स की लाइन मंगल ग्रह के आकाश में छाई धूल भी हो सकती है। जो सूर्य की रोशनी में दिखाई दे रही है। ऐसा लैंस की चमक के कारण भी हो सकता है। लावेरी के अनुसार जिस समय तस्वीर ली गई तब रोवर नॉर्थ डायरेक्शन की तरफ था। जबकि मार्स ग्रह के समय के हिसाब से दोपहर के 2 बजे का समय था। हालांकि कुछ जानकारों का कहना है कि इसकी वजह आइसबो को सकती है, जो लाल ग्रह के पोलर इलाके में है।

पुतिन ने खुद को 2036 तक राष्ट्रपति पद की दौड़ में बने रहने की योग्यता प्रदान की

मास्को, (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद को 2036 तक राष्ट्रपति पद की दौड़ में बने रहने की योग्यता प्रदान कर दी है। इस कदम के जरिए पिछले साल संवैधानिक बदलाव के लिए हुए मतदान में प्राप्त समर्थन को पुतिन के ही हस्ताक्षर से औपचारिक रूप दिया गया। पुतिन द्वारा हस्ताक्षर किए गए संबंधित कानून की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की गयी। दो दशकों से भी अधिक समय तक सत्ता पर काबिज रहने वाले 68 वर्षीय पुतिन ने कहा कि वह 2024 में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने के बाद इस बारे में विचार करेंगे कि उन्हें राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा मैदान में उतरना है या नहीं।

दिल्ली में गेहूं खरीद के लिए एफसीआई ने नहीं खोला एक भी काउंटर, 1 अप्रैल से एमएसपी पर खरीदारी करने का झूठा दावा : गोपाल राय

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली के कृषि मंत्री गोपाल राय ने एमएसपी पर गेहूं की फसल नहीं खरीदने पर एफसीआई को कटघरे में खड़ा किया है। एफसीआई ने दिल्ली में गेहूं खरीद के लिए अभी तक एक भी काउंटर नहीं खोला है और झूठा दावा कर रहा है कि एक अप्रैल से एमएसपी पर खरीदारी की जा रही है, जबकि हम काउंटर खोलने के लिए एफसीआई को तीन बार चिट्ठी लिख चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार फसल की एमएसपी निर्धारित करती है और एफसीआई खरीदारी करती है, लेकिन भाजपा झूठा आरोप लगा रही कि दिल्ली सरकार एमएसपी पर गेहूं नहीं खरीद रही है। उन्होंने कहा कि एमएसपी पर फसल खरीदने के प्रधानमंत्री के आश्वासन की यही हकीकत है और इसलिए एमएसपी का कानून बनाना बहुत जरूरी है। हमारी केंद्र सरकार से मांग है कि नजफगढ़ और नरेला मंड़ी में तत्काल एमएसपी पर खरीदारी शुरू की जाए और एक अप्रैल से दिल्ली में खरीदारी करने के झूठे दावे की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

दिल्ली के कृषि मंत्री गोपाल राय ने आज दिल्ली सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि लंबे समय से देश के किसान केंद्र सरकार से तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के साथ-साथ मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) को कानूनी दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। केंद्र सरकार के तमाम मंत्रियों, केंद्रीय कृषि मंत्री और संसद के अंदर भाजपा के तमाम नेताओं ने बार-बार कहा कि प्रधानमंत्री ने जब कह दिया कि एमएसपी दी जाएगी और एमएसपी पर खरीदारी की जाएगी, तो इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए। आंदोलन के दौर में देश भर में गेहूं की फसल तैयार हो चुकी है और कटाई शुरू हो चुकी है। दिल्ली के अंदर बहुत छोटे से हिस्से में खेती होती है। दिल्ली के नार्थ और वेस्ट हिस्से नरेला, बवाना, मुंडका, नजफगढ़ और मेहरौली में खेती होती है, जहां गेहूं की फसल तैयार है और कटाई हो रही है। हमारे बार-बार निवेदन के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा संचालित फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) मंडी के अंदर अभी तक किसानों की उपज को एमएसपी के रेट पर लेने के लिए तैयार नहीं है। किसान अपनी उपज लेकर मंडी में आ रहे हैं और उन्हें अलग-अलग रेट पर आढ़तियों को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

गोपाल राय ने कहा कि हमने सबसे पहले एफसीआई को 11 फरवरी को कृषि विभाग की तरफ से चिट्ठी लिखी थी कि गेहूं की फसल आने वाली है और खरीदने के लिए दिल्ली की मंडियों में तैयारी की जाए, ताकि सही समय पर किसानों की उपज की खरीदारी हो सके और उन्हें एमएसपी मिल सके। 11 फरवरी के बाद हमने एक मार्च को उन्हें रिमाइंडर भेजा कि एफसीआई गेहूं की खरीदारी की तैयारी करे। इस पर एफसीआई की तरफ से लिखित में जवाब आया कि हम मायापुरी एफएसडी, शक्तिनगर एफएसडी, नरेला मंडी और नजफगढ़ मंडी में काउंटर लगाएंगे। वहीं, किसानों की कई शिकायत आने पर दो दिन पहले जब मैने इसकी समीक्षा की, तब पता चला कि अभी तक कोई काउंटर नहीं लगा है। इसके बाद हमने 6 अप्रैल को फिर एफसीआई को चिट्ठी भेजी कि आप जहां मर्जी वहां काउंटर लगाएं, लेकिन नरेला और नजफगढ़ मंडी में काउंटर जरूर लगाएं और एमएससी की गारंटी दी जाए।

कृषि मंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी यह बात है कि अभी तक काउंटर तो नहीं लगे, लेकिन उन्होंने 6 अप्रैल को चिट्ठी भेज कर बताया कि एक अप्रैल से दिल्ली के अंदर काउंटर लग गए हैं और खरीदारी हो रही है। जब हमें चिट्ठी मिली, तो मैंने आज दोनों मंडियों से रिपोर्ट तलब की। नरेला मंडी के सेक्रेटरी ने हमें लिखित में भेजा है कि आज तक एक दाना भी एसबीआई की तरफ से मंडी में खरीदारी नहीं की गई है। काउंटर लगाए ही नहीं गए हैं। इसी तरह नजफगढ़ मंडी की भी लिखित में रिपोर्ट आई है और वहां भी काउंटर नहीं लगाया जाए गए हैं। वहीं, भाजपा के नेताओं ने कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि केजरीवाल सरकार एमएसपी पर खरीदारी नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि एमएसपी केंद्र सरकार ने निर्धारित किया है, फसल को एफसीआई को खरीदना है। हम बार-बार निवेदन कर रहे हैं कि एफसीआई फसल खरीदे, अभी तक एफसीआई के काउंटर लगे ही नहीं है और फिर भी लिखित में जवाब दे दिए कि एक अप्रैल से खरीदारी हो रही है। आज तक जमीन पर एक भी काउंटर लगा नहीं है। अगर देश की राजधानी दिल्ली में नाक के नीचे यह सारा तिकड़म चल रहा है, तो सुदूर गांवों और जिलों के अंदर किसानों की क्या हालत हो रही होगी। प्रधानमंत्री के नाम की दुहाई देकर किसानों से कहा जा रहा है कि आप आंदोलन खत्म करिए। उस पूरे आश्वासन की यह हकीकत है।

कृषि मंत्री गोपाल राय ने कहा कि मैं आज केंद्र सरकार से दो मांग कर रहा हूं। एक यह कि केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से इसमें हस्तक्षेप करें और नजफगढ़ और नरेला मंडी में कल से काउंटर की शुरूआत कर खरीदारी की जाए और दूसरा जो अधिकारी इस तरह की कार्रवाई में शामिल है और लिखित में कह रहे हैं कि एक अप्रैल से मंदी में खरीदारी शुरू हो गई है, जबकि दोनों मंडियां कह रही हैं कि वहां पर एक दाना तक नहीं खरीदा गया है, तो इसकी जांच होनी चाहिए। अगर इसमें कोई अधिकारी सम्मिलित है, तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। यह चीजें इस बात को दर्शा रही हैं कि एमएसपी का कानून बनाना कितना जरूरी है, क्योंकि दिल्ली के अंदर तो सिर्फ दो मंडी है, लेकिन जो बड़े-बड़े राज्य है, वहां पर हर ब्लाक के अंदर खरीदारी की जरूरत है। दिल्ली में एक छोटा सा हिस्सा है, जहां पर खेती होती है। आज मैं इन सारी तथ्यों को रख कर यह बात कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री ने अगर कहा था, तो उन्हें इस सारे मसले पर तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। अगर उनकी बात का महत्व है, तो इसमें पीएमओ को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। इस पूरे प्रकरण की जांच होनी चाहिए और कल से दोनों मंडियों में अनाज की खरीदारी शुरू होनी चाहिए।

पहली बार एक दिन में एक लाख से अधिक सैंपल की हुई जांच

नई दिल्ली, (संवाददाता)। राजधानी में 130 दिन बाद कोरोना के मामले एक बार फिर पांच हजार के पार हो गए। मंगलवार को 5100 नए मामले आए, जो पिछले 27 नवंबर के बाद सबसे अधिक है। 27 नवंबर को कोरोना 5482 मामले आए थे। लेकिन खास बात यह है कि दिल्ली में पहली बार एक दिन में एक लाख से अधिक सैंपल की जांच की गई। इसका असर भी दिखा। जांच बढ़ी तो कोरोना की संक्रमण दर पांच फीसद से कम 4.93 फीसद हो गई। लेकिन, मामले बढ़ने के कारण पिछले छह दिन में 22,632 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इस वजह से सक्रिय मरीजों की संख्या 17 हजार से ज्यादा हो गई है। 24 घंटे में 2340 मरीज ठीक हुए। वहीं 17 मरीजों की मौत हो गई।इस वजह से छह दिनों में 86 मरीज कोरोना के कारण असमय काल के गाल में समा गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में अब तक छह लाख 85 हजार 62 मामले आ चुके हैं। जिसमें से अब तक छह लाख 56 हजार 617 मरीज ठीक हो चुके हैं। सक्रिय मरीज बढ़ने से मरीजों के ठीक होने की दर 96.22 फीसद से घटकर 95.84 फीसद हो गई है। वहीं मृतकों की कुल संख्या 11,113 पहुंच गई है। इस वजह से मृत्यु दर 1.62 फीसद है। दिल्ली में सक्रिय मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस वजह से सक्रिय मरीजों की संख्या 17,332 हो गई है। इस वजह से अस्पतालों में भर्ती मरीजों की तीन हजार से अधिक हो गई है। मौजूदा समय में 3292 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 44 व कोविड हेल्थ सेंटर में 51 मरीज भर्ती किए गए हैं। 8871 मरीज होम आइसोलेशन में रहकर अपना इलाज करा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में एक लाख 3 हजार 453 सैंपल की जांच की गई। वैसे तो दिल्ली में शुरूआत से ही जांच अधिक होती रही है। यही वजह है कि अब तक एक करोड़ 50 लाख 75 हजार 212 सैंपल की जांच हो चुकी है जो दिल्ली की कुल आबादी का करीब 75 फीसद के बराबर है। अब जांच पहले से भी ज्यादा बढ़ा दी गई है। इस वजह से 24 घंटे में 69,667 फीसद सैंपल की आरटीपीसीआर व 33,786 सैंपल की एंटीजन जांच की गई। इनमें से 4.93 फीसद सैंपल पाजिटिव पाए गए। एक दिन पहले 64,003 सैंपल की जांच पिछले 24 घंटे में हुई है।

चांदनी चौक की खूबसूरती बरकरार रखना जरूरी : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा आगामी 17 अप्रैल को होने वाले उद्घाटन समारोह के मद्देनजर पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन ने चांदनी चौक में किए गए सौंदर्यीकरण कार्य की समीक्षा की। दिल्ली सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में पीडब्ल्यूडी, एमसीडी और दिल्ली पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चांदनी चौक की खूबसूरती बरकरार रखना जरूरी है। इसलिए नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। चांदनी चौक में पहले की तरह वाहनों की भीड़ न हो और लोगों को सहूलियत मिले, ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक और इमरजेंसी सेवाओं के लिए एसओपी बनाने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन ने लालकिला से फतेपुरी मस्जिद तक पुनर्विकसित की गई चांदनी चौक की सड़क पर पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सड़क पर लगाई गईं स्ट्रीट लाइट की रौशनी कम है। कम रौशन होने से लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। उन्होंने स्ट्रीट पर अधिक रौशनी देने वाले एलइडी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्ट्रीट पर उचाई वाले पौधे लगाने का सुझाव दिया, ताकि दुकानदारों को भी कोई दिक्कत न हो। अधिकारियों ने बताया कि चांदनी चौक को लालकिला से गुरुद्वारा, गुरुद्वारा से टाउन हॉल, टाउन हॉल से बल्लीमारान और बल्लीमारान से फतेपुरी मस्जिद तक चार चरणों में विकसित किया गया है। चांदनी चौक की पुनर्विकसित की गई सड़क पर सिर्फ मैनुअल रिक्शा ही चलने की अनुमति रहेगी। इस एरिया में चलने वाले मैनुअल रिक्शा को चिंहित कर नियमित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए रिक्शों की कलर कोडिंग की जाएगी और उन्हें एक बैच दिया जाएगा, ताकि अनाधिकृत रिक्शा इस एरिया में न प्रवेश कर पाएं। इन्हीं रिक्शों पर ही दुकानदार अपने सामान को लेकर आ-जा सकते हैं। यह रिक्शे इस तरह संचालित किए जाएंगे, ताकि वे एक-दूसरे को ओवरटेक न करें। किसी रिक्शा को सामान उतारना है या लादना है, तो उसके लिए बगल में जगह दी जाएगी, ताकि जाम न लगे।

दिल्ली में नाइट कर्फ्यू में मेट्रो में हर किसी को नहीं मिलेगी एंट्री

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली में कोरोना के केस बढ़ते ही यहां पर नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। ऐसे में लोगों को रात में बाहर निकलने लिए इजाजत नहीं होगी। वहीं, सरकार ने इस दौरान जरूरी सेवा वालों को छूट दी है। इधर मेट्रो ने भी ट्वीट कर जानकारी दी है कि इस दौरान हर किसी को यात्रा की अनुमति नहीं होगी। बता दें कि रात में 10 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। ऐसे में मेट्रो से चलने वाले यात्रियों को थोड़ी परेशानी होने वाली है। सरकार के अनुसार इस दौरान आम लोगों को बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। बता दें कि दिल्ली में मेट्रो रात 11 बजे तक चलती है ऐसे में रात 10 बजे के बाद मेट्रो में उन्हीं लोगों को प्रवेश मिलेगा जिन्हें जरूरी काम हो। नाइट कर्फ्यू के कारण मेट्रो में रात 10 बजे के बाद सिर्फ जरूरी जरूरी सेवाओं से जुड़े लोग ही सफर कर पाएंगे। दिल्ली मेट्रो रेल निगम डीएमआरसी के कार्यकारी निदेशक जन संपर्क अनुज दयाल ने कहा कि नाइट कर्फ्यू के दौरान मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षाकर्मी यात्रियों के पहचान पत्र व ई-पास जांच की जाएगी। इसके बाद ही मेट्रो में प्रवेश दिया जाएगा। डीएमआरसी ने आम लोगों से अपील की है कि रात 10 बजे तक अपनी यात्रा पूरी कर लें। रात 10 बजे के बाद व सुबह में पांच बजे से पहले जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को छोड़कर अन्य लोगों को मेट्रो में प्रवेश नहीं मिलेगा। बता दें कि दिल्ली में लगातार कोरोन वायरस के केस काफी तेजी से बढ़ते जा रह है। मंगलवार को भी कोरोना संक्रमितों की संख्या में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है। बीते 24 घंटे में 5100 नए केस मिले हैं। वहीं मरने वालों की संख्या भी बढ़ी है 17 लोगों की मौत हुई है।

पीएम मोदी के इस अभियान में अब राजधानी दिल्ली भी देगी योगदान

नई दिल्ली, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से शुरू किए गए जल शक्ति अभियान में अब दिल्ली भी योगदान देगी। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने इसके लिए सभी सरकारी विभागों को निर्देश जारी कर एक्शन प्लान मांगा है। हर विभाग से यह भी पूछा गया है कि उक्त अभियान में क्या और किस तरह से योगदान दिया जा सकता है। इसके साथ ही मानसून की दस्तक से पूर्व ही इस दिशा में पुख्ता कार्ययोजना तैयार करने के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं, ताकि वर्षा जल की हर बूंद को सहेजा जा सके। जानकारी के मुताबिक दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), जल बोर्ड, वन विभाग, बाढ़ एवं सिंचाई विभाग, दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसायटी सहित तमाम सरकारी विभाग अपना एक्शन प्लान तैयार करने में जुट गए हैं। डीडीए ने तो इस दिशा में एक्शन प्लान के साथ-साथ उन जलाशयों का सर्वे भी शुरू कर दिया है, जहां जल संचयन की संभावनाएं अधिक हैं। दरअसल दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसायटी ने डीडीए को उसके अधीन दिल्ली के करीब 800 जलाशय होने की सूचना दी है। इनमें काफी जलाशय उन 89 गांवों की जमीन पर स्थित हैं, जो कोरोना लाकडाउन से पहले ही शहरीकृत घोषित किए गए थे। डीडीए ने इस आंकड़े की पुष्टि करने और संरक्षित हो सकने वाले जलाशयों की पहचान के लिए अपनी एक अंतरविभागीय टीम का गठन कर सर्वे भी प्रारंभ कर दिया है। यह सर्वे मई माह तक पूरा कर लिया जाएगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि 30 से 40 फीसद जलाशयों को पुनर्जीवित करना अब संभव नहीं होगा, हालांकि 60 से 70 फीसद को फिर से उपयोगी बनाया जा सकता है। उद्यान विभाग की ओर से भी हर जोन के जलाशयों की पुनरोद्धार योजना की निगरानी के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिया है। जहां-जहां पर संभव है, जलाशयों के पुनरोद्धार का काम शुरू भी कर दिया गया है। डीडीए के उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नेशनल एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीटयूट (नीरी) और आइआइटी दिल्ली के सहयोग से प्रायोगिक आधार पर प्रसाद नगर, रोहिणी और महरौली के जलाशयों में इन सीटू बायो रेमेडियल तकनीक का इस्तेमाल किया गया। करीब दो महीने तक प्रयोग करने के बाद नतीजे काफी सकारात्मक रहे हैं। इसीलिए अब इन अनुभवों के आधार पर ही अन्य जलाशयों में भी इसी का इस्तेमाल किया जाएगा।

धरना स्थल पर किसानों को बनाए रखने के लिए संयुक्त मोर्चा अपना रहा नए तरीके

नई दिल्ली। तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा हरसंभव कोशिश कर रहा है। इसके लिए तरह-तरह की गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में कबड्डी व वालीबाल प्रतियोगिता भी आयोजित कराई गई थी, लेकिन इन सबके बावजूद आंदोलन स्थल पर पूर्व की भांति युवाओं की सरगर्मी नहीं बढ़ रही है। इसे देखते हुए मोर्चा ने रणनीति बदलते हुए युवा नेता और दिल्ली में ट्रैक्टर परेड के दौरान हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराए लक्खा सिधाना को फिर से मंच देने की बात कह रही है। कृषि कानूनों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में कुंडली बार्डर पर चार महीने से अधिक समय से आंदोलन चल रहा है। शुरूआत में आंदोलन स्थल पर जहां युवाओं की भीड़ और पूरी सरगर्मी रहती है, उनमें भी कमी आई है। प्रदर्शन स्थल पर सुनसान हुए पंडाल, लंगर और मंच की रौनक फिर से बढ़ाने के लिए मोर्चा के नेताओं ने आगामी कार्यक्रमों के साथ संसद घेराव की बात कहकर युवाओं को जोड़ना आरंभ कर दिया है। रोड जाम जैसे आंदोलन की कमान भी युवाओं के हाथों में सौंपने की बात कही जा रही है। राकेश टिकैत किसानों को अपने साथ जोड़ने के लिए प्रदेशों में भी आयोजन कर रहे हैं। वो वहां पर पंचायत कर किसानों को अपने साथ जोड़ने के लिए उनके साथ मीटिगें कर रहे हैं मगर उसके बाद भी किसानों की संख्या में इजाफा नहीं हो पा रहा है। उधर राकेश टिकैत गुजरात में भी किसानों का समर्थन हासिल करने के लिए वहां गए थे मगर वहां से भी उन्हें निराशा ही मिली, गुजरास ते उनको उम्मीद के मुताबिक समर्थन नहीं मिल पाया, इससे वो निराश हुए।

दिल्ली में महिला ने कार से बुजुर्ग दंपति को कुचला

नई दिल्ली । पश्चिमी दिल्ली के द्वारका इलाके में 79 वर्षीय रिटायर सरकारी अधिकारी और उनके पत्नी को एक कार ने कुचल दिया. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. यह घटना रविवार शाम को सेक्े टर 11 में हुई और इसका सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. एक अधिकारी के अनुसार, सेक्टर के अप्पू एनक्लेव की निवासी दीपाक्षी चौधरी ने दावा किया है कि जब यह घटना हुई तब वे किसी चीज के बारे में सोच रही थीं. उन्े होंने कहा कि इस बात का पता लगाया जाना है कि वे या वह फोन कॉल पर थीं.

डिप्टी कमिश्े नर ऑफ पुलिस (द्वारका) संतोष कुमार मीना ने कहा, उसने (दीपाक्षी ने) 62 साल की अंजना अरोरा और 79 वर्षीय शांति स्वरूप अरोरा को कुचल दिया. दोनों ही अप्पू एनक्लेव के निवासी हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि बलेनो कार ने दंपति को टक्कर मारी. बाद में एक महिला कार से बाहर निकली, वह कार की पीछे की ओर गई और फिर कार से मोबाइल फोन निकालकर किसी को कॉल किया.

दिल्ली नाइट कर्फ्यू में आपात सेवाओं में लगे वाहनों को यात्रा करने की अनुमति

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत में कोरोना का प्रकोप एक बार फिर से अपने पैर पसार रहा है। अब दिल्ली की स्थिति एक बार फिर चिंताजनक हो गई है। वायरल ट्रांसमिशन को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने शहर में रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है। जो 30 अप्रैल तक लागू होगा। इस कर्फ्यू में सिर्फ आपातकालीन सेवाओं के अलावा आपातकालीन सेवाओं को प्रदान करने से संबंधित सरकारी अधिकारियों को रात के कर्फ्यू के दौरान यात्रा करने की अनुमति होगी। जिसके लिए उन्हें अपने वैध पहचान पत्र को साथ में लेना होगा। कर्फ्यू में निजी चिकित्सा कर्मी जैसे डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल, क्लीनिकों, फार्मेसियों आदि जैसी चिकित्सा सेवाओं पर काम करने वाले कर्मचारी यात्रा कर सकते हैं। बशर्ते उनके पास भी वैध आई-कार्ड हो।

वहीं गर्भवती महिलाओं और रोगियों को चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए यात्रा करने की अनुमति भी दी गई है।

हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और आईएसबीटी (अंतरराज्यीय बस टर्मिनल) की यात्रा करने वाले लोगों को वैध टिकट के साथ यात्रा करने की अनुमति होगी। सरकार ने किराने की दुकानों, फार्मेसियों, पशुओं के चारे, बैंकों, बीमा कार्यालयों, एटीएम, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरसंचार (इंटरनेट सेवाओं, प्रसारण, आईटी-सक्षम सेवाओं, आदि) जैसे व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए भी ई-पास आवश्यक कर दिया है। वहीं दिल्ली मेट्रो, डीटीसी, ऑटो, टैक्सी आदि जैसी परिवहन सुविधाओं को रात के कर्फ्यू के दौरान सिर्फ उपर दी गई स्थिति में अनुमति दी जाएगी। अगर किसी नागरिक की अंतरराज्यीय यात्रा करनी है, तो उसके लिए वैध ई-पास होना चाहिए।

दिल्ली में 10 अप्रैल को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण डीएसएलएसए महीने के दूसरे यानी 10 अप्रैल को उच्च न्यायालय, सभी जिला न्यायालयों, ऋण वसूली अधिकरण डीआरटी और राज्य एवं जिला उपभोक्ता फोरम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन करने जा रहा है। इस दौरान फौजदारी से संबंधित समाधान की संभावना वाले मामले, चेक बाउंस केस, बैंक से लेन-देन का विवाद, धन वसूली से मामले, श्रम विवाद मामले, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन व भत्तों से संबंधित मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, बिजली बिल व पानी बिल से संबंधित मामले, वैवाहिक मामले तलाक को छोड़कर भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले, दीवानी मामले और राजस्व मामले उच्च एवं जिला न्यायालयों में लंबित मामले से संबंधित विवादों का निपटारा किया जाएगा। इनमें से मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित मामलों का निपटारा केवल पटियाला हाउस कोर्ट में ही होगा। बाकी अन्य मामलों का निपटारा संबंधित कोर्ट में होगा जहां वह पहले से लंबित हैं। मामलों का निपटारा कराने के लिए दोनों पक्षों को संबंधित न्यायालय में पहले आवेदन देना होगा। इसके लिए दोनों पक्षों की सहमति व मौजूदगी होना आवश्यक है। वहीं, कोई भी व्यक्ति अपने मोटर दुर्घटना से संबंधित केस का विवरण डीएसएलएसए की वेबसाइट पर देख सकता है। डीएसएलएसए के विशेष सचिव गौतम मनन ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में इस बार यातायात चालान का निपटारा नहीं किया जाएगा।

नरेला और बवाना के बीच सुगम कनेक्टिविटी के लिए आरओबी, ट्रैफिक की भीड़-भाड़ होगी कम

नई दिल्ली, (संवाददाता)। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हरदीप एस. पुरी ने वर्चुअल रूप से नरेला में फ्लाई ओवर सह-आरओबी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल तथा उत्तर-पश्चिम दिल्ली के संसद सदस्य हंसराज हंस उपस्थित थे।

समारोह में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव दुगार्शंकर मिश्र तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुराग जैन भी उपस्थित थे। यह फ्लाई ओवर सह-आरओबी दिल्ली की भीड़-भाड़ कम करने के लिए बनाई गई योजना के अनुरूप है और नरेला के विकास पर विशेष बल देता है। इस आरओबी से आने वाले समय में उत्तर पश्चिम दिल्ली के रिहायशी और औद्योगिक केंद्र बनने वाले जा रहे घनी आबादी वाले नरेला और बवाना के बीच कनेक्टिविटी सुगम होगी। इस क्षेत्र में भीड़-भाड़ की समस्या रहती थी क्योंकि रास्ते में रेल फाटक से बाधा आ रही थी। इस फाटक से प्रतिदिन 150 रेलगाड़ियां आती-जाती हैं और फाटक कुछ ही समय खुल पाता है।

इस रेल फाटक से 80 हजार कार चालक गुजरते हैं, जिससे यह सबसे अधिक व्यस्त रेल क्रॉसिंग में एक है। आरोबी के सीधे भाग की लम्बाई 1680 मीटर है और इसको बनाने में 389 करोड़ रुपए की लागत आई है। यूडीएफ की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी तथा डीडीए की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ आवास तथा शहरी कार्य मंत्रालय के शहरी विकास कोष (यूडीएफ) से इस परियोजना के लिए राशि प्राप्त हुई है। नरेला को विकास का एक प्राथमिक क्षेत्र माना गया है और डीडीए, द्वारका की तर्ज पर इसे विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। डीडीए के वार्षिक बजट 2021-22 में, व्यय का एक महत्वपूर्ण घटक नरेला सब-सिटी के विकास के लिए रखा गया था। परिवहन अवसंरचना परियोजनाओं के लिए आवंटन किए गए, जैसे मेट्रो लाइन चरण-क्ष् के तहत रिठाला झ बवाना झ नरेला कॉरिडोर के लिए डीएमआरसी को अनुदान, के निर्माण और एनएचएआई के माध्यम से दिल्ली में यूईआरझक्क सड़क का निर्माण। इसके अलावा, डीडीए नरेला में विभिन्न आवासीय परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है।

संपादकीय

चुनावी जीत के कई गुणा-भाग

पश्चिम बंगाल में अब तक दो चरणों में 60 सीटों पर विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। मतदाताओं के रुख अभी ठीक-ठीक नहीं आंके जा सकते, लेकिन पहले चरण में 27 मार्च को मुख्यतः जंगलमहल क्षेत्र में चुनाव हुए थे, जो पहले कभी उग्र वामपंथ के गढ़ माने जाते थे। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां भगवा झंडा लहराया था, जिस कारण यहां की ज्यादातर सीटों पर भाजपा अपनी जीत देख रही होगी। मगर एक सच यह भी है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के रुझान अलग-अलग होते हैं और मुद्दे भी। इसका अनुभव भाजपा ने भी हाल के वर्षों में कई राज्यों में किया है। लिहाजा, तृणमूल कांग्रेस ने यहां से अपनी उम्मीदें नहीं छोड़ी होंगी।

दूसरे चरण में भी 30 सीटों पर 1 अप्रैल को चुनाव हुए हैं, जिनमें पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर की नौ-नौ सीटें शामिल थीं, जो मूलतः तृणमूल के खाते में जाती रही हैं। शुभेंदु अधिकारी के दल बदलने से भाजपा को यहां कुछ सीटें मिल सकती हैं, लेकिन मतदान-केंद्रों पर मतदाता इस उलझन में रहे होंगे कि तृणमूल सरकार में तीन-तीन महत्वपूर्ण विभाग संभालने वाले और पार्टी में दबदबा रखने वाले शुभेंदु अचानक भाजपा में क्यों शामिल हो गए? प्रचार के दौरान साल 2007 के नंदीग्राम आंदोलन में शुभेंदु के योगदान को बार-बार कठघरे में खड़ा करके ममता बनर्जी ने मतदाताओं की उलझन को और बढ़ाने की कोशिश की थी। चूंकि पश्चिम मेदिनीपुर और बांकुड़ा जिले जंगलमहल के नजदीक हैं, इसलिए इन इलाकों से भाजपा को भरोसा होगा, मगर पूर्व मेदिनीपुर में अधिकारी परिवार के हावी रहने के बावजूद ममता बनर्जी को नंदीग्राम से अपनी जीत पक्की लग रही होगी। इस आत्मविश्वास की कई वजहें हैं। मसलन, निर्वाचन आयोग के आंकड़े बताते हैं कि नंदीग्राम में तृणमूल कांग्रेस को 2011 के विधानसभा चुनाव में 60.17 प्रतिशत, 2014 के लोकसभा चुनाव में 68.15 प्रतिशत, 2016 के विधानसभा चुनाव में 66.79 प्रतिशत और 2019 के लोकसभा चुनाव में 62.77 प्रतिशत वोट मिले थे। यानी, पिछले 10 वर्षों में यहां तृणमूल का वोट प्रतिशत 60 फीसदी से ऊपर ही रहा है, जो संकेत है कि लोग पार्टी पर भरोसा कर रहे हैं, किसी एक नेता पर नहीं। इसके बरअक्स, भाजपा को इन चुनावों में क्रमशः 3.39 प्रतिशत, 5.69 प्रतिशत, 5.32 प्रतिशत और 29.92 प्रतिशत वोट मिले, जबकि वाम मोर्चा को क्रमशः 34.75 प्रतिशत, 22.28 प्रतिशत, 26.49 प्रतिशत और 4.49 प्रतिशत। चूंकि इन वर्षों में तृणमूल का वोट प्रतिशत स्थिर रहा है, इसलिए माना जाता है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में वाम मोर्चा के मतदाता ही छिटककर भाजपा के साथ चले गए होंगे। ऐसे में, अगर मौजूदा विधानसभा चुनाव में संयुक्त मोर्चा (वाम मोर्चा, कांग्रेस और इंडियन सेक्युलर फ्रंट का गठबंधन) 2016 का प्रदर्शन दोहरा सका (जिसकी उम्मीद इसलिए की जा रही है, क्योंकि मोर्चा ने युवा नेत्री मीनाक्षी मुखर्जी को मैदान में उतारा है), तो भाजपा को बड़ा झटका लग सकता है। इसके अलावा, दो ब्लॉक (नंदीग्राम-1 व नंदीग्राम-2) में बंटे नंदीग्राम का सामाजिक समीकरण भी भाजपा की चिंता का कारण होगा। नंदीग्राम-1 में 34.04 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, जबकि नंदीग्राम-2 में 12.12 फीसदी। भाजपा द्वारा धार्मिक ध्रुवीकरण किए जाने से माना यही जा रहा है कि यहां के मुस्लिम मतदाता तृणमूल के साथ गए होंगे। फिर, नंदीग्राम-1 इलाके में महज 2.79 प्रतिशत शहरी आबादी है और यहां की अधिसंख्य जनसंख्या अब भी गांवों में बसती है व विकास से दूर है। जबकि नंदीग्राम-2 में 4.28 फीसदी शहरी आबादी है। इस सबको तृणमूल अपने लिए मुफीद मान रही होगी, क्योंकि पार्टी सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की नुमाइंदगी करने का दावा करती है। इन्हीं सब वजहों से ममता आत्मविश्वास से भरी हुई हैं और मतदान केंद्र से ही राज्यपाल को फोन लगाने व कई बूथों पर गड़बड़ियों की शिकायत करने के बावजूद वह दोबारा मतदान की मांग नहीं कर रही हैं। उनके शब्दों पर गौर कीजिए- हम नंदीग्राम के लिए चिंतित नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के लिए चिंतित हैं। इसी आधार पर वह अफवाह भी खारिज हो जाती है, जिसमें कहा गया कि अब वह किसी अन्य सुरक्षित सीट से भी चुनाव लड़ सकती हैं। अब तो पार्टी ने भी इसका खंडन कर दिया है।

पिछले दो चरणों का ऊंचा मतदान-प्रतिशत भी सत्ता-विरोधी रुझान नहीं माना जा सकता। दोनों चरणों में 80 फीसदी से अधिक मत जरूर डाले गए हैं, लेकिन चुनाव के दिन मतदाताओं का घरों से बाहर निकलना पश्चिम बंगाल की पहचान रही है। यहां हर चुनाव में औसतन 75 फीसदी से अधिक वोट पड़ते हैं। इसीलिए ऊंचा मतदान-प्रतिशत अन्य राज्यों में जीत-हार का समीकरण बनाता है, पश्चिम बंगाल में नहीं। अब छह चरणों के चुनाव शेष हैं और ये उन इलाकों में होने वाले हैं, जिनको पश्चिम बंगाल का केंद्र कहा जाता है। बंगाल के दक्षिणी हिस्से के बीरभूम, बर्धमान, हुगली जैसे जिलों में तृणमूल कांग्रेस मजबूत स्थिति में है, तो उत्तरी हिस्से के मालदा व मुर्शिदाबाद जिलों में कांग्रेस को अपने पारंपरिक वोटरों पर भरोसा होगा। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि भाजपा खाली हाथ रह जाएगी। दार्जिलिंग (यहां तृणमूल कांग्रेस और गोरखा जनमुक्ति मोर्चा शायद ही एक-दूसरे का साथ छोड़ना चाहेंगे) को छोड़ दें, तो पिछले कुछ महीनों में भाजपा ने जलपाईगुड़ी जैसे इलाकों में अपना आधार मजबूत किया है। इसका उसे लाभ मिल सकता है। मगर जिस तरह से तृणमूल के नेताओं का उसने खुले दिल से स्वागत किया, उसका फायदा उसे हर जगह मिलता नहीं दिख रहा। जाहिर है, अगले चरणों में संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कांग्रेस भी जोर आजमाइश करती दिखेगी और वाम मोर्चा भी। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा तो आमने-सामने होंगी ही। लिहाजा, 2019 के लोकसभा चुनाव का ट्रेंड यदि मौजूदा चुनाव में भी बना रहा, तो भाजपा को फायदा हो सकता है और करीबी मुकाबला हम देख सकते हैं, वरना पिछले दो चरणों जैसे आरोप-प्रत्यारोप उछलते रहेंगे।

प्रवीण कुमार सिंह

मोदी सरकार की नीतियों की वजह से देश हुआ दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भर

> दरअसल मोदी सरकार किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए गेहूं, धान, गन्ना जैसी चुनिंदा फसलों की एक फसली खेती की जगह पारिस्थितिक दशाओं के अनुरूप विविध फसलों की खेती को बढ़ावा देने की दूरगामी नीति पर काम कर रही है। इसमें दलहनी, तिलहनी फसलों, पौष्टिक मोटे अनाजों, फल-फूल और औषधीय पौधों की खेती महत्वपूर्ण है। इससे न सिर्फ फसल चक्र का पालन होगा, बल्कि लगातार गिरते भूजल स्तर पर भी रोक लगेगी। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मोदी सरकार देश भर में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित विकेंद्रित खरीद-बिक्री नेटवर्क स्थापित कर रही है।

तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछेक किसान संगठनों के आंदोलन का क्या हश्र होगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन आम किसान देश को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हैं। वर्ष 2019-20 के दौरान देश में दालों का उत्पादन बढ़कर 2.32 करोड़ टन के आंकड़े पर पहुंचना इसका स्पष्ट प्रमाण है। इससे दशकों बाद दालों के मामले में आयात पर हमारी निर्भरता खत्म हो गई। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा की सरकारों को अपने देश के किसानों से कहना पड़ा कि वे दलहनी फसलों की खेती न करें। गौरतलब है कि पिछली सदी के सातवें दशक में शुरू हुई हरित क्रांति ने एक फसली खेती को बढ़ावा दिया। इससे जहां गेहूं-धान के उत्पादन में आशातीत बढ़ोतरी हुई वहीं दलहनी-तिलहनी और मोटे अनाजों की खेती अनुर्वर तथा सीमांत भूमि पर धकेल दी गई। इसका नतीजा यह हुआ कि भारत खाद्य तेल और दालों का दुनिया में सबसे बड़ा आयातक बन गया। जहां तक दालों का सवाल है तो भारत हर साल 50 से 60 लाख टन दाल आयात करने लगा।

दलहनी फसलों की खेती में सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि जहां भारतीय किसानों ने दालों की खेती को उपेक्षित किया वहीं ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, म्यांमार जैसे देशों ने दलहनी फसलों की खेती शुरू की। भारतीय मांग को ध्यान में रखकर ऑस्ट्रेलिया में चना, कनाडा में मटर और म्यांमार में अरहर की खेती बड़े पैमाने पर की जाने लगी। भारत में दालों की बढ़ती खपत और दालों के व्यापार में भारी मुनाफे को देखते हुए कई कारोबारियों ने अफ्रीकी देशों में हजारों एकड़ जमीन पट्टे पर लेकर दालों की खेती शुरू कर दी। क्रय क्षमता में वृद्धि, मध्य वर्ग का विस्तार, शहरीकरण जैसे कारणों से भारत में दालों की खपत बढ़ी जिससे दाल आयात में

भी तेजी आई। इससे विदेश में दलहनी फसलों की खेती बढ़ती गई। इसका नतीजा यह हुआ कि जहां देश में गेहूं-चावल के भंडार का अंबार लग गया तो वहीं रसोई में देसी दाल कम होती गई।

इसे हरित क्रांति के अगुआ कहे जाने वाले पंजाब के उदाहरण से समझा जा सकता है। 1980 में पंजाब में 74,470 हेक्टेयर जमीन पर दलहनी फसलों की बोआई हुई जिससे 42,000 टन दालों का उत्पादन हुआ। चालीस साल बाद 2019 में पंजाब में दालों का रकबा घटकर महज 11,700 हेक्टेयर रह गया। आज की तारीख में पंजाब में दालों की सालाना खपत छह लाख टन है, लेकिन उत्पादन महज 10,000 टन। इस प्रकार गेहूं उत्पादन में रिकॉर्ड बनाने वाला पंजाब दालों के मामले में दूसरे राज्यों और विदेशी आयात पर निर्भर हो गया। इसका एक नुकसान यह हुआ कि दलहनी फसलों की खेती से मिट्टी में होने वाला नाइट्रोजन स्थिरीकरण थमा जिससे भूमि की उर्वरता कम हुई। इसकी भरपाई के लिए रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल बढ़ा जिससे खेती की लागत बढ़ती गई।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने दालों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने को प्राथमिकता दी, ताकि हर साल दाल आयात पर खर्च होने वाले 16,000 करोड़ रुपये देश के किसानों तक पहुंचें। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत देश भर में 5,000 दलहनी गांव विकसित किए गए जहां दलहनी फसलों के उन्नत बीज तैयार किए गए। उन्नत बीजों के मिनी किट किसानों तक डाकघरों के माध्यम से पहुंचाए गए। हर खेत को पानी और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के तहत सिंचाई सुविधा का विस्तार किया गया। मोदी सरकार ने न सिर्फ दलहनी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भरपूर बढ़ोतरी की, बल्कि उनकी सरकारी खरीद को भी बढ़ाया।

पिछले छह वर्षों में विभिन्न प्रकार की दालों के समर्थन मूल्य में 40 से 73 फीसद की बढ़ोतरी की गई। सरकार ने कुछ दालों के आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध लगा दिया तो कुछ में आयात शुल्क बढ़ा दिया, ताकि आयात को हतोत्साहित किया जा सके।

दालों की महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार ने दालों का 10 लाख टन बफर स्टॉक बनाया है। सरकारी खरीद बढ़ने का नतीजा यह हुआ कि किसानों को उनकी उपज की बेहतर कीमत मिलने लगी। इसका परिणाम यह हुआ कि जहां 2014 में दालों की पैदावार 1.72 करोड़ टन हुई थी वहीं 2019 में यह बढ़कर 2.32 करोड़ टन तक पहुंच गई। लिहाजा भारत दशकों बाद दालों के मामले में आत्मनिर्भर बना।

कोविड-19 के कारण लागू हुए लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत अप्रैल से नवंबर के बीच 20 करोड़ लाभार्थियों को 15 लाख टन दालों का मुफ्त वितरण किया गया। घरेलू बाजार में दालों की बढ़ती मांग और विदेशों में बसे भारतीयों के बीच दाल की खपत को देखते हुए मोदी सरकार ने 2030 तक 3.2 करोड़ टन दाल उत्पादन का लक्ष्य रखा है। वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया का अग्रणी दाल निर्यातक बनकर उभरेगा। दरअसल मोदी सरकार किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए गेहूं, धान, गन्ना जैसी चुनिंदा फसलों की एक फसली खेती की जगह पारिस्थितिक दशाओं के अनुरूप विविध फसलों की खेती को बढ़ावा देने की दूरगामी नीति पर काम कर रही है। इसमें दलहनी, तिलहनी फसलों, पौष्टिक मोटे अनाजों, फल-फूल और औषधीय पौधों की खेती महत्वपूर्ण है। इससे न सिर्फ फसल चक्र का पालन होगा, बल्कि लगातार गिरते भूजल स्तर पर भी रोक लगेगी। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मोदी सरकार देश भर में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित विकेंद्रित खरीद-बिक्री नेटवर्क स्थापित कर रही है। इस दिशा में मंडी व्यवस्था का आधुनिकीकरण, बिचौलिया विहीन खरीद केंद्र, उपज बिक्री की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजने, ई-नाम, किसान रेल, किसान उड़ान जैसे अहम उपाय किए गए हैं।

देवासुर संग्राम रुका नहीं, बल्कि भूलोक में शिफ्ट हो गया और बड़े पैमाने पर 'खेला' हो रहा है

देवलोक और असुरलोक के सभी निवासी बड़ी चिंता में थे। 'देवासुर संग्राम' हुए बहुत दिन हो गए थे। दोनों लोकों से किसी भी तरह के अप्रिय समाचार की कोई सूचना नहीं थी। देवर्षि नारद मन में यह विचार करने लगे कि आगे चलकर कहीं यह 'शांति' बड़ा खतरा न बन जाए। सृष्टि की बुनियाद भी हिल सकती है। उधर भूलोक में बड़े पैमाने पर 'खेला' हो रहा है और इधर हमसे छोटा-मोटा 'संग्राम' भी 'मैनेज' नहीं हो पा रहा है। इससे बड़ा गलत संदेश जा रहा है।

नारद जी की यह चिंता लगातार बढ़ती जा रही थी। अंततः उन्होंने निश्चय किया कि उनकी वास्तविक भूमिका निभाने का अवसर आ गया है। वह तुरंत देवलोक के लिए चल पड़े। नारद जी को अचानक देखकर देवेंद्र के मन में तनिक खटका हुआ। मुनिवर से आने का प्रयोजन पूछा। नारद जी बेहद चिंतित स्वर में बोले, 'भूलोक से बहुत डराने वाली खबरें आ रही हैं। जबसे 'देवासुर संग्राम' ठहर गया है, मनुष्यों ने नए नायक और खलनायक खोज लिए हैं। 'न्यूज-चैनल' नाम के नए हथियारों ने ड्रॉइंग-रूम को 'युद्ध-भूमि' में बदल दिया है। अपनी मुक्ति के लिए मनुष्य अब सुरों और असुरों पर निर्भर नहीं रहा। सबके अपने-अपने 'ईश्वर', 'राक्षस' और 'एंकर' हैं। इसका जल्द समाधान न हुआ तो मामला बिल्कुल हाथ से निकल जाएगा।'

देवर्षि की ऐसी गंभीर बातें सुनकर देवेंद्र के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गईं। कुछ देर सोचते हुए वह बोले, 'संकट वास्तव में गहरा है। मानव तो मानव, अब दानव तक वरदान नहीं मांग रहे हैं। तपस्या करनी ही बंद कर दी है। इसके लिए हम सबको कृपानिधान जगदीश्वर के पास जाना पड़ेगा। इस तरह वे दोनों क्षीरसागर की ओर रवाना हो गए।

प्रवेश-द्वार पर पहुंचते ही नागराज मिल गए। उन्हें देखते ही बोल पड़े, 'आप दोनों की ही प्रतीक्षा थी। लगता है, अब यहां भी 'खेला होबे।' प्रभु से 'होली-मिलन' करने राक्षसराज भी आए हुए हैं। आप लोग मेरे साथ आइए।' इंद्र को देखते ही प्रभु बोले, 'देवेंद्र, मुझे सब पता है। राक्षसराज के साथ हम इसी संकट पर चर्चारत हैं। हमने एक असुर दूत को भूलोक भेज दिया है।' यह कहकर प्रभु ने भूलोक पहुंचे असुर-दूत को वाट्सएप कॉल लगा दी। यह देखकर सब चौंक उठे। देवेंद्र ने पास में खड़े नागराज से इस अद्भुत यंत्र के बारे में पूछा। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों राक्षसराज ने संपूर्ण भूलोक का 'सर्वर' हैक कर लिया था, तभी उन्हें इस अजूबे यंत्र का पता चला।

उन्होंने किसी तरह से एक 'जीवात्मा' की 'प्राइवेसी सेटिंग' भंग की, तब यह हाथ लगा है। प्रभु इसी के जरिये दूत से संपर्क साध रहे हैं। तभी संपर्क जुड़ गया। दूत की वर्तमान लोकेशन 'सोनार बांग्ला' दिख रही थी। किसी चुनावी रैली का दृश्य था। मनुष्यों की भारी भीड़ जमा थी। प्रभु ने दूत को संकेत किया कि शोर-शराबे से बाहर आकर उन्हें शीघ्र 'रिपोर्ट' भेजे। दूत पूरे जोश में बोलने लगा-यह आर्यावर्त का ऐसा क्षेत्र है जो 'चुनाव-ग्रस्त' है। यहां होली और चुनाव एक साथ आ गए हैं।

एक 'संग्राम' की कौन कहे, यहां तो कई चरणों में 'संग्राम' हो रहा है। लोग होली जैसे मिलन-पर्व में भी पर्याप्त ढंग से संघर्षरत हैं। किसी 'वायरल-मैसेज' पर 'खेला' हो जाता है। बनावटी रंगों के बजाय वे रक्त बहाकर मौलिक रंगों से ही होली खेल रहे हैं। एक 'बहुरूपिया वायरस' राक्षस के भेष में घुस गया है। लोग उससे भी खूब घुल-मिल रहे हैं। यहां मुझे अनुभव हुआ है कि संपूर्ण आर्यावर्त में सड़क, संसद और विधानसभाओं में 'संग्राम' की भीषण संभावनाएं हैं। मेरे लिए भी भरपूर मौके हैं। राक्षसराज, मुझे क्षमा करना। असुर-लोक में निरर्थक जीवन बिताने से अच्छा है कि मैं यहीं बस जाऊं।'

यह सुनते ही राक्षसराज बोले, प्रभु इस दूत का वीजा तुरंत रद्द किया जाए, अन्यथा यह हमारी कुल-परंपरा को नुकसान पहुंचाएगा। प्रभु बोले, चिंता की कोई बात नहीं राक्षसराज! यह दूत भले तुम्हारे नेटवर्क से बाहर चला गया है, पर काम तुम्हारा ही करेगा। और हां, प्रसन्नता की बात यह है कि 'देवासुर संग्राम' अभी रुका नहीं है। बस, भूलोक में शिफ्ट हो गया है। हमें अवतार भी नहीं लेना पड़ेगा। मुक्ति के मामले में मानव अब आत्मनिर्भर हो चुका है।'

नक्सलियों का जाल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को नक्सलियों ने जिन हालात में और जिस तरह का हमला सुरक्षाबलों पर किया, वह न केवल नक्सल उन्मूलन की हमारी दीर्घकालिक नीति पर बल्कि खास ऑपरेशनों के लिए बनाई जाने वाली रणनीति से लेकर उसके अमल तक पर गहरे सवाल खड़े करता है।

जो बात इस घटना को खास बनाती है वह मारे जाने या घायल होने वाले सुरक्षाकर्मियों की संख्या मात्र नहीं है, हालांकि वह संख्या भी किसी लिहाज से कम नहीं मानी जा सकती। सबसे बड़ी बात यह है कि यह सामान्य गश्त पर जा रही टीम पर किया गया हमला नहीं है। 2000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी एक खास टारगेट के साथ एक विशेष ऑपरेशन पर भेजे गए थे।

यह ऑपरेशन कई अलग-अलग स्रोतों से मिली खुफिया सूचनाओं पर आधारित था। वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में पिछले कई दिनों से इस ऑपरेशन की तैयारी की जा रही थी। इतना सब कुछ होने के बाद भी बताई गई जगह पर कुछ नहीं मिला। ऐसा भी नहीं कि यह सब किसी अत्यंत दुर्गम जंगली इलाके में हुआ हो। अगले दिन पत्रकारों को मौके पर पहुंचने में न कोई खास दिक्कत हुई और न ज्यादा वक्त लगा क्योंकि कैंप और मेन रोड से घटनास्थल बमुश्किल आधे घंटे की दूरी पर बताया जाता है।

साफ है कि सूचना इकट्ठा करने और मिली सूचनाओं की प्रामाणिकता जांचने के हमारे तरीकों में बहुत बड़ी गड़बड़ियां हैं। इस मामले में न केवल सुरक्षा बलों तक गलत जानकारी विश्वसनीय ढंग से पहुंचाई गई बल्कि सुरक्षा बलों की तैयारियों और उनकी कार्रवाई से जुड़ी एक-एक सूचना भी नक्सलियों को मिलती रही।

दूसरा सवाल कारगर और बड़े ऑपरेशन के बीच फर्क का है। क्या कथित नक्सली इलाकों में ज्यादा सुरक्षाकर्मियों वाले बड़े ऑपरेशनों के कारगर होने की भी संभावना रहती है? ताजा हमले ने यह जरूरत एक बार फिर रेखांकित की है कि सुरक्षा बलों के ऑपरेशन को अधिक से अधिक कारगर बनाने के तरीकों पर और ध्यान दिया जाना चाहिए। तीसरा और सबसे पुराना लेकिन बड़ा सवाल है नक्सलवाद के प्रति सरकार और प्रशासन के नजरिये का।

पिछले वर्षों में इसे विशुद्ध रूप से कानून व्यवस्था की समस्या मानने का चलन बढ़ा है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी लोकतांत्रिक समाज बदलाव के हिंसक तरीकों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। यह भी सही है कि हिंसा के प्रयासों को सख्ती से ही कुचलना होगा। लेकिन जिन वजहों से समाज का कोई खास हिस्सा हिंसक रास्ता अख्तियार करने वालों के झांसे में आता है, उन्हें दूर करना भी हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए और हमारी यह प्राथमिकता समाज के उस हिस्से को नजर भी आनी चाहिए।

विरोधाभासों की वजह से ही कंगाल हुआ बंगाल

> यही नहीं, बंगाली फिल्म उद्योग में भी सत्ताधारी पार्टी का सिंडीकेट राज चल रहा है। बंगाली अस्मिता के पैरोकार आखिर इसे कैसे न्यायसंगत ठहरा सकते हैं? बंगाल की आम जनता अपने दैनंदिन के जीवन में सिंडिकेट के रूप में पार्टी के हस्तक्षेप के कारण त्रस्त है। यही वजह है कि भाजपा उन्हें आकर्षति कर रही है। खासकर वे लोग भाजपा के समर्थन में खुलकर आ गए हैं, जिनकी आवाज को भद्रलोक की राजनीति में अनसुना किया जाता रहा है। चाहे कम्युनिस्ट हों या तृणमूल, दोनों ही पार्टियों के पास इसका कोई जवाब नहीं है कि सब कुछ होने के बावजूद बंगाल इतना कंगाल क्यों है।

बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को पहले चरण के रिकार्ड मतदान के बाद अब सारी निगाहें दूसरे दौर पर टिक गई हैं। पहली अप्रैल को दूसरे चरण के लिए जिन सीटों पर मतदान होना है, उनमें नंदीग्राम सबसे महत्वपूर्ण है। इस सीट पर राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी मैदान में हैं और उनके सामने कभी उनके दाहिने हाथ रहे सुवेंदु अधिकारी हैं। जाहिर है, इस सीट के साथ मुख्यमंत्री की पूरी राजनीति प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। यही वजह है कि नंदीग्राम में मतदान होने तक ममता बनर्जी वहीं डेरा डाले हुई हैं।

बंगाल के विधानसभा चुनाव के नतीजे क्या होंगे, इसके लिए तो दो मई तक की प्रतीक्षा करनी होगी, लेकिन ममता बनर्जी को कड़ी चुनौती दे रही भाजपा ने जिस तरह से उनकी राजनीति का पर्दाफाश किया है, वह उल्लेखनीय है। वास्तविकता यह है कि बंगाल को वाकई परिवर्तन की जरूरत है। बंगाली भद्रलोक के इर्द-गिर्द केंद्रित राज्य की राजनीति को अब हाशिए पर खड़े उन लोगों के उन्नयन और उत्थान के बारे में सोचना होगा, जिन्हें सिर्फ वोट बैंक समझा जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बंगाल की जनता अपनी पहचान, संस्कृति और भाषा के साथ खड़ी होगी या फिर भाजपा का साथ देगी जिसने राज्य को फिर से सोनार बांग्ला बनाने की घोषणा की है। बंगाल हमेशा से ही अपनी पहचान और संस्कृति को लेकर अहंकार की हद तक गर्व करता रहा है और आज भी

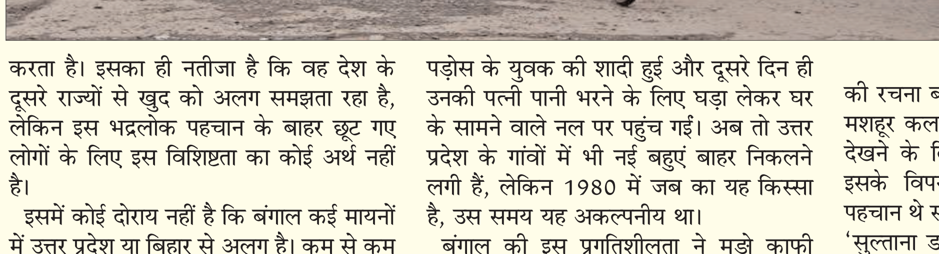

करता है। इसका ही नतीजा है कि वह देश के दूसरे राज्यों से खुद को अलग समझता रहा है, लेकिन इस भद्रलोक पहचान के बाहर छूट गए लोगों के लिए इस विशिष्टता का कोई अर्थ नहीं है।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि बंगाल कई मायनों में उत्तर प्रदेश या बिहार से अलग है। कम से कम महिलाओं को घर और बाहर सम्मान एवं बराबरी का अधिकार देने के मामले में तो उसका कोई सानी नहीं है। उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि का होने का कारण मुझे तब बहुत हैरानी हुई थी, जब हमारे पड़ोस के युवक की शादी हुई और दूसरे दिन ही उनकी पत्नी पानी भरने के लिए घड़ा लेकर घर के सामने वाले नल पर पहुंच गई। अब तो उत्तर प्रदेश के गांवों में भी नई बहुएं बाहर निकलने लगी हैं, लेकिन 1980 में जब का यह किस्सा है, उस समय यह अकल्पनीय था।

बंगाल की इस प्रगतिशीलता ने मुझे काफी प्रभावित किया, लेकिन जब मैंने देखा कि हमारे घर के ठीक सामने सूदखोरों का एक परिवार भी रहता है जो मजदूरों को 10 फीसद प्रतिमाह के ब्याज पर कर्ज देता है और कम्युनिस्ट पार्टी का झंडा उठाकर भी चलता है, तो मुझे काफी दुख हुआ। मजदूरों के नाम पर राजनीति करने वाले कम्युनिस्ट पार्टी को मजदूरों का खून चूसने वाले ये सूदखोर कभी खराब नहीं लगे, क्योंकि उनसे वोट भी मिलता था और नोट भी। बंगाली समाज और राजनीति के इस विरोधाभास को मैं कभी पचा नहीं पाया।बंगालियों को अपनी संस्कृति पर भी बहुत गुमान है। बंगाल में रहने के दौरान कई बार मन में यह प्रश्न उठा कि क्या संस्कृति के मामले में हम उनसे कमतर हैं। इसकी कई वजहें भी थीं। हर साल गर्मियों में बंगाल में जात्र (नाटक) करने वाले दल आया करते थे। वे ज्वलंत मुद्दों पर लिखे गए नाटकों का प्रदर्शन करते थे। उन नाटकों की रचना बंगाल के नामी लेखक करते थे और मशहूर कलाकार उनमें अभिनय करते थे। जात्र देखने के लिए टिकट भी खरीदना पड़ता था। इसके विपरीत हमारे जैसे गैर-बंगालियों की पहचान थे साल-दर-साल मंचित किए जाने वाले 'सुल्ताना डाकू' और 'समाज को बदल डालो' जैसे घिसे-पिटे कथानक। इसके अलावा दरभंगा की रामलीला मंडली भी आती थी, जिनका ध्यान लीला दिखाने से ज्यादा अपने खाने-पीने का इंतजाम करने पर रहता था।

नतीजा, रामलीला के बीच-बीच में राम-सीता को मंच पर बिठा दिया जाता था और फिर शुरू होती थी मालाओं की नीलामी। पर्याप्त इंतजाम होने के बाद ही फिर रामलीला शुरू होती थी। सांस्कृतिक रूप से उत्तर भारत के दूसरे राज्यों के मुकाबले उन्नत स्थिति में होने के बावजूद बंगाल अपने विरोधाभासों के कारण कंगाल हो गया है। पुनर्जागरण की यह धरती अब पतनशील राजनीति का पर्याय बन गई है। बंगाल पर कम्युनिस्टों के शासन में तो पार्टी की जिला कमेटी की मर्जी के बिना थाने में कोई मुकदमा दर्ज नहीं होता था, लेकिन ममता के जमाने में तो घर बनाने के लिए सीमेंट, ईंट भी तृणमूल समर्थकों की दुकान से खरीदने पड़ रहे हैं। कालेज में प्रवेश के लिए भी स्थानीय नेता की मंजूरी जरूरी है।

यही नहीं, बंगाली फिल्म उद्योग में भी सत्ताधारी पार्टी का सिंडीकेट राज चल रहा है। बंगाली अस्मिता के पैरोकार आखिर इसे कैसे न्यायसंगत ठहरा सकते हैं? बंगाल की आम जनता अपने दैनंदिन के जीवन में सिंडिकेट के रूप में पार्टी के हस्तक्षेप के कारण त्रस्त है। यही वजह है कि भाजपा उन्हें आकर्षति कर रही है। खासकर वे लोग भाजपा के समर्थन में खुलकर आ गए हैं, जिनकी आवाज को भद्रलोक की राजनीति में अनसुना किया जाता रहा है। चाहे कम्युनिस्ट हों या तृणमूल, दोनों ही पार्टियों के पास इसका कोई जवाब नहीं है कि सब कुछ होने के बावजूद बंगाल इतना कंगाल क्यों है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

8 मई से शुरू हो सकती बोर्ड परीक्षा, सीएम योगी की सहमति पर जारी होगी नई डेटशीट

लखनऊ । यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की वजह से टली उत्तर प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2021 का आयोजन आठ मई से कराने जाने की संभावना है। माध्यमिक शिक्षा विभाग नई डेटशीट का प्रस्ताव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजा है। सीएम योगी से सहमति मिलने के बाद बोर्ड एग्जाम की स्कीम जारी कर दी जाएगी।

उत्तर प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा का आयोजन 24 अप्रैल से 12 मई तक होना था, लेकिन पंचायत चुनाव को देखते हुए परीक्षाओं को कुछ अरसे के लिए स्थगित कर दिया गया था। माध्यमिक शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार आठ मई से परीक्षा शुरू कराने का प्रस्ताव है। परिक्षाओं को मई में ही संपन्न कराकर जून के अंत तक परिणाम घोषित कराने की योजना है। परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र सहित अन्य व्यवस्थाएं पहले से ही तैयार है। अब सीएम योगी आदित्यनाथ की अंतिम मुहर का इंतजार है। जैसे ही सहमति मिलेगी नई स्कीम जारी कर दी जाएगी।

हिंदी विषय की परीक्षा से ही शुरुआत – उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा के अनुसार पंचायत चुनाव के कारण यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं अब 24 अप्रैल से शुरू नहीं होंगी। दो मई को पंचायत चुनाव की मतगणना के बाद ही परीक्षा कराने की तारीख तय की जाएगी। डॉ. शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ जल्द इस मामले पर बैठक होगी। उसके बाद नई स्कीम जारी कर दी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक मई के पहले हफ्ते या फिर आठ मई से बोर्ड परीक्षाएं शुरू की जा सकती हैं। पहले जारी हुए परीक्षा कार्यक्रम में जिस विषय की परीक्षा जिस क्रम से होनी थी, आगे भी वैसे ही होने की उम्मीद है। यानी हाईस्कूल व इंटरमीडिएट दोनों में हिंदी व प्रारंभिक हिंदी विषय की परीक्षा से ही शुरुआत हो सकती है।

पंचायत चुनाव की वजह से परीक्षा में देर – बता दें कि माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 24 अप्रैल से परीक्षा कराने की स्कीम जारी कर दी थी, लेकिन पंचायत चुनाव में आरक्षण को लेकर उपजे विवाद के बाद हाई कोर्ट के फैसले से चुनाव की तारीखें बढ़ा दी गईं। चूंकि पंचायत चुनाव में स्कूल व कॉलेज मतदान केंद्र के तौर पर काम करते हैं और शिक्षकों की चुनाव में ड्यूटी भी लगती है, लिहजा राज्य निर्वाचन आयोग की अपील पर बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया।

56 लाख से अधिक परीक्षार्थी पंजीकृत – उत्तर प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा परिषद सबसे बड़ा परीक्षा बोर्ड है। बोर्ड परीक्षा 2021 में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में कुल 56,03,813 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। परीक्षा में हाइस्कूल में 29,94,312 और इंटरमीडिएट में 26,09,501 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा में 31,47,793 छात्र और 24,56,020 छात्राएं पंजीकृत हैं। हाईस्कूल परीक्षा में 16,74,022 छात्र एवं 3,20,290 छात्राएं पंजीकृत हैं। इंटरमीडिएट परीक्षा में 14,73,771 छात्र एवं 11,35,730 छात्राएं कुल मिलाकर 26,09,501 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

महिला व बाल अपराध पर सख्त यूपी सरकार, मिशन शक्ति के तहत 6 माह में 12 आरोपितों को फांसी की सजा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के योगी सरकार महिलाओं और बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों को गंभीरता से ले रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि जिस तरह एंटी रोमियो स्क्वायड ने प्रभावी कार्रवाई की है वैसे ही हर जिले की पुलिस अभियान चलाकर कार्रवाई करे। मुख्यमंत्री के सख्त रुख के बाद इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई किए जाने को लेकर आला अफसर सक्रिय हो गए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला व बाल अपराध की घटनाओं में पुलिस और अभियोजन विभाग ने अभियुक्तों के खिलाफ मजबूती से पैरवी कर रही है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत 17 अक्टूबर, 2020 से 24 मार्च, 2021 के बीच अभियोजन विभाग की प्रभावी पैरवी के चलते 12 आरोपितों को फांसी की सजा दिलाने में कामयाबी मिली है, जबकि 456 आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई गई है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि पांच माह की अवधि में 414 आरोपितों को 10 वर्ष व उससे अधिक का कारावास तथा 1178 आरोपितों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा भी दिलाई गई है। इसके अलावा 503 आरोपितों को अर्थदंड दिलाया गया। एडीजी अभियोजन आशुतोष पांडेय के अनुसार अभियान के तहत 1,580 आरोपितों को जिलाबदर कराया गया है तथा 9,881 आरोपितों की जमानत खारिज कराई गई है।

इसी प्रकार दुष्कर्म के बाद हत्या के संगीन मामलों में हापुड़, हाथरस, रायबरेली, बांदा, गाजियाबाद, हरदोई, जौनपुर, सुल्तानपुर व बुलंदशहर में 12 आरोपितों को फांसी की सजा दिलाई गई है। अलीगढ़ के थाना इगलास में एक बच्ची को अगवा करने का मामला 11 साल से लंबित था। इसमें तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा दिलाने में भी कामयाबी मिली है।

तीन वर्ष में 534 पर लगा रासुका : लोक व्यवस्था को भंग करने के गंभीर मामलों में शासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत भी कार्रवाई के कदम बढ़ाए हैं। गृह विभाग के प्रवक्ता के अनुसार बीते तीन वर्षों में रासुका के तहत 534 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें 106 बंदी परामर्शदात्री परिषद की ओर से अवमुक्त किए गए, जबकि 50 बंदियों को उच्च न्यायालय ने रासुका से अवमुक्त किया। प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2020 में रासुका के सर्वाधिक 222 मामले दर्ज हुए।

संक्षिप्त खबर

मधुबनी में पांच लोगों की हत्या मामले का मुख्य आरोपित प्रवीण झा गिरफ्तार, नेपाल से हुई गिरफ्तारी

मधुबनी । मधुबनी जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के महमदपुर गांव में होली के दिन हुए सामूहिक हत्याकांड के मुख्य आरोपित प्रवीण झा उर्फ रावण को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसपी डॉ. सत्यप्रकाश ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि, पुलिस अभी इससे अधिक कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। एसपी का कहना है कि जल्द ही मीडिया को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इधर, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रवीण झा की गिरफ्तारी पड़ोसी देश नेपाल से हुई है। उसके साथ मामले के कई अन्य आरोपित भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। बता दें कि महमदपुर गांव में होली के दिन हुई गोलीबारी में कुल छह लोग जख्मी हुए थे। इनमें से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक जख्मी की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। मृतकों में तीन सगे भाई थे, जबकि एक बीएसएफ का जवान था। महमदपुर के सुरेंद्र सिंह के तीन पुत्र रणविजय सिंह, विरेंद्र सिंह व अमरेंद्र सिंह की मौत हो चुकी है। वहीं उनके भतीजे राणा प्रताप सिंह एवं रुद्रनारायण सिंह की भी मौत हो गई। घटना के बाद से लोगों में काफी आक्रोश है। होली के दिन घटी इस घटना ने सूबे की राजनीति में भूचाल खड़ा कर दिया है। घटना के बाद से ही महमदपुर गांव में पीड़ित परिवारों से मिलने विभिन्न दलों के नेताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू है। हर तरफ से मुख्य आरोपित की अविलंब गिरफ्तारी की मांग उठ रही थी। इधर, मंगलवार की शाम पीड़ित परिवार ने मुख्य आरोपित की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अनशन भी शुरू कर दिया था। सामुहिक हत्याकांड को लेकर दर्ज प्राथमिकी में कुल 35 लोगों को नामजद किया गया है। इनमें से पुलिस अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपित प्रवीण झा व नवीन झा के घर की कुर्की भी की जा चुकी है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार टीम बनाकर छापेमारी कर रही थी। आखिरकार, पुलिस ने उसे दबोचने में सफलता पा ली है। इस मामले में पुलिस की संलिप्तता का आरोप भी लगता रहा है।

यूपी में पंचायत चुनाव के बाद होगी 10 हजार होमगार्डों की भर्ती, शासन ने दी हरी झंडी

लखनऊ । पंचायत चुनाव समाप्त होते ही प्रदेश में 10 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती की जाएगी, इसमें आठ हजार पुरुष और दो हजार महिलाएं होंगी। शासन ने विभाग के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। विभाग ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। होमगार्ड विभाग में करीब 10 साल से जवानों की भर्ती नहीं हुई है। विभाग में करीब 30 हजार पद खाली हैं। विभाग में मुख्यालय स्तर पर अधिकारियों ने जवानों की भर्ती का खाका तैयार करना शुरू कर दिया गया है। इसके पूर्व जो भर्तियां हुई थीं, वो मृतक आश्रितों के लिए थीं। पहले फेस में 10 हजार जवानों की भर्ती होगी। इसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रत्येक वर्ष लगातार करीब तीन हजार होमगार्ड सेवानिवृत्त हो रहे हैं। लंबे समय से विभाग में जवानों की भर्ती न होने के कारण खाली पदों की संख्या बढ़ती जा रही है।

अभी 30 हजार पद हैं खाली – विभाग में करीब 10 साल से होमगार्ड जवानों की भर्ती नहीं हुई थी। इस कारण 30 हजार पद खाली हैं। हमारे होमगार्ड थाने, यूपी 112, इंडस्ट्री, जिला प्रशासन समेत अन्य संस्थानों में ड्यूटी कर रहे हैं। प्रमुख सचिव अनिल कुमार द्वितीय के मार्गदर्शन में प्रस्ताव बना था। शासन ने इस पर मंजूरी दे दी है। पंचायत चुनाव के बाद भर्ती शुरू होगी। - **रणजीत सिंह, डीआइजी, होमगार्ड मुख्यालय**

अजब-गजब; अधिकारियों के वाहन चालकों को भी बना दिया पीठासीन अधिकारी

गोरखपुर । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को एक साथ संपन्न कराने का दबाव इस कदर हावी है कि चुनाव ड्यूटी पर भी इसका असर साफ नजर आ रहा है। जिले के आला अधिकारियों का वाहन चलाने वाले करीब दो दर्जन सरकारी चालकों को इस बार पोलिंग पार्टी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई। उनकी ड्यूटी पीठासीन अधिकारी के रूप में लगायी गई है। ड्यूटी का पत्र हाथ में आते ही उनके होश उड़ गए और ड्यूटी कटवाने के लिए अधिकारियों के यहां चक्कर लगाने लगे। पांचवी व आठवीं पास चालकों की ड्यूटी पीठासीन अधिकारी के रूप में लगने से अधिकारी भी हैरान हैं, अब गलती सुधार कर चालकों की ड्यूटी काटी जाएगी। चुनाव के दौरान अधिकारियों को फील्ड की ड्यूटी करनी होती है। उनका वाहन चलाने के कारण चालक भी ड्यूटी पर ही होते हैं। पर, इस चुनाव में जब उनकी ड्यूटी पीठासीन अधिकारी के रूप में लगी तो सरकारी वाहनों के खड़ा हो जाने का खतरा पैदा हो गया। शुरू में सुनवाई न होने पर एक चालक ने मंगलवार को एनेक्सी भवन पहुंचकर पीठासीन अधिकारी के कार्यों के लिए प्रशिक्षण भी ले लिया। सीडीओ के वाहन चालक बजरंगबलि दुबे, अपर आयुक्त प्रशासन के चालक खजांची प्रशासन, जिला कृषि अधिकारी के चाहन चालक ओम प्रकाश यादव, उपनिदेशक कृषि प्रसार कार्यालय के चालक राम अचल व परशुराम गुप्ता, राजकीय कृषि विद्यालय में तैनात वाहन चालक गणपति यादव आदि की ड्यूटी लगायी गई है।

वरिष्ठ होने के कारण बने पीठासीन अधिकारी– चुनाव ड्यूटी के लिए विभागों से नाम भेजने में चूक हुई। चालकों के नाम इससे पहले नहीं जाते थे। नाम जाने के बाद कंप्यूटर में फीडिंग के दौरान भी गलती हुई। वरिष्ठ होने के कारण इन चालकों की पे स्केल बढ़ गई है, जिसके कारण उनकी ड्यूटी पीठासीन अधिकारी के रूप में लग गई।

अधिकारियों ने लिखा पत्र– जिन अधिकारियों के वाहन चालकों की ड्यूटी लगी है, उनकी ओर से ड्यूटी कटवाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। मंगलवार की शाम तक किसी की ड्यूटी नहीं कट सकी थी। हालांकि ड्यूटी काटने का आश्वासन मिला है।

यूपी बीजेपी के संगठन महामंत्री सुनील बंसल कोरोना संक्रमित, महीने भर में बढ़ गए 25 हजार से ज्यादा रोगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोराना वायरस का संक्रमण तेजी से पैर पसार रहा है। यूपी बीजेपी के संगठन महामंत्री सुनील बंसल कोरोना संक्रमित हो गए हैं। एंटीजेन टेस्ट में कोरोना संक्रमण निकला। आरटीपीसीआर जांच के लिए सैम्पल लिया गया है। वह प्रदेश कार्यालय में क्वारंटीन किए गए हैं। मंगलवार को पार्टी के स्थापना दिवस के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित तमाम नेता शामिल हुए थे। वहीं, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल भी संक्रमित हो गए हैं। यूपी में एक महीने पहले 1,647 मरीज थे और अब इनकी संख्या बढ़कर 27,509 हो गई है। महीने भर में 25,862 नए रोगी बढ़े हैं। यानी मरीजों की संख्या में 16 गुना बढ़ोतरी हुई है। लखनऊ में सबसे ज्यादा 7,981 रोगी हैं। अब 51 जिलों में 100 से अधिक मरीज हैं।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि %शुरुआती लक्षण दिखने पर मंगलवार को कोरोना जांच की करवाई थी, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैंने अपने आप को आइसोलेट कर लिया है। पिछले दिनों में मेरे संपर्क में आने वाले सभी लोगों से निवेदन है कि आप भी अपनी जांच करवा लें।% इसके बाद आरटी-पीसीआर जांच के लिए उनका सैंपल लिया गया है। चिकित्सकों की सलाह पर बंसल को प्रदेश कार्यालय में ही क्वारंटीन करते हुए उनका इलाज शुरू किया गया है।

कोरोना से संक्रमित 5,928 नए रोगी मिले – प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार काफी तेज हो गई है। चौबीस घंटों के दौरान कोरोना से संक्रमित 5,928 नए रोगी मिले। करीब सात महीने बाद इतनी बड़ी संख्या में मरीज मिले हैं। पहले 13 सितंबर 2020 को 6,239 रोगी मिले थे। वहीं अब तक एक दिन में सर्वाधिक 7,103 रोगी 11 सितंबर 2020 को मिले थे। अगर संक्रमण की रफ्तार ऐसे ही तेज रही तो जल्द ही यह रिकार्ड भी टूट जाएगा। अक्टूबर 2020 से लेकर मार्च 2021 के पहले हफ्ते तक रोगियों की संख्या में लगातार कमी आई, लेकिन इसके बाद जो संक्रमण बढ़ा, वह अब थमने का नाम नहीं ले रहा। बीते एक महीने में संक्रमण की रफ्तार में 45 गुना तक की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटे में 1.79 लाख लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया।

एक्टिव केस बढ़कर 27,509 – बीते 24 घंटे में 30 मरीजों की संक्रमण से मौत हुई। अब एक्टिव केस बढ़कर 27,509 हो गए हैं। 51 जिलों में कोरोना का संक्रमण बढ़ा है। इन सभी जिलों में सौ से ज्यादा रोगी हो गए हैं। लखनऊ में फिर 1,188 रोगी मिले। प्रदेश में सबसे ज्यादा 7,981 मरीज राजधानी में हैं। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, बरेली व मुरादाबाद आदि शामिल हैं। अब तक प्रदेश में कुल 6.39 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं और इसमें से 6.03 लाख रोगी ठीक हो चुके हैं। अभी तक प्रदेश में कुल 3.57 करोड़ लोगों की कोरोना जांच कराई जा चुकी है।

ज्यादा रोगी मिलने से चार फीसद लुढ़का रिकवरी रेट – मार्च के पहले हफ्ते में प्रदेश का रिकवरी रेट 98.4 फीसद तक पहुंच गया था। अब पिछले एक महीने से लगातार ज्यादा मरीज मिलने के कारण यह अब 94.3 फीसद पर पहुंच गया है। ऐसे में चार फीसद तक रिकवरी रेट घट गया है।

बांदा जेल की 16 नंबर बैरक में 24 घंटे कैमरे की नजर में रहेगा माफिया मुख्तार अंसारी

लखनऊ । पंजाब के रोपड़ जिले की रूपनगर जेल से बुधवार की सुबह बांदा जेल पहुंचे माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की मेडिकल जांच की गई। मेडिकल जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे पूरी तरह से फिट बताया है। जेल अधीक्षक पीके त्रिपाठी ने बताया कि मुख्तार अंसारी के स्वास्थ्य से सम्बंधित जांच के बाद उसे बैरक में दाखिल किया गया। उसकी सभी जांच सही आई है। मुख्तार अंसारी को फिलहाल बैरक नंबर 16 में रखा गया है। वह अपने बैरक में बिलकुल तनहा है, उसके साथ कोई अन्य कैदी नहीं हैं। इससे पहले बांदा जेल में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए।

माफिया मुख्तार अंसारी को बांदा जेल की 16 नंबर बैरक में रखा गया है, जहां उस पर नजर रखने के लिए कई सीसीटीवी कैमरे लगे है। बांदा जेल में दो और डिप्टी जेलर तैनात किए गए हैं। जेल के बाहर अतिरिक्त पीएसी लगाई गई है। बुधवार को मुख्तार अंसारी का यहां कोरोना टेस्ट भी कराया जाएगा। गृह विभाग के अधिकारियों के अनुसार जेल में कराए गए मेडिकल परीक्षण में मुख्तार स्वस्थ है। जेल की प्रशानिक और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

बांदा जेल की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक ड्रोन कैमरा, 5 बॉडी वॉर्न कैमरे और 30 अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी दिए गए हैं। मुख्तार के आसपास जाने वाला हर जेल कर्मी बॉडी वॉर्न कैमरे से लैस रहेगा ताकि उसके और मुख्तार अंसारी के बीच हुई बातचीत और व्यवहार की रिकॉर्डिंग हो सके।

जेल की निगरानी के लिए एक ड्रोन कैमरा भी लखनऊ से भेजा गया है। उसकी बैरक और आसपास के इलाके को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर दिया गया है।

बता दें कि माफिया मुख्तार अंसारी बुधवार तडके 4–30 बजे बांदा मंडल कारागार पहुंचा दिया गया। यहां उसे बैरक नंबर 16 में रखा गया है। पंजाब के रोपड़ जिले की रूपनगर जेल से मंगलवार दोपहर दो बजकर आठ मिनट पर उसे लेकर निकली टीम ने लगभग 14–30 घंटे में सफर पूरा किया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद करीब 26 माह बाद माफिया मुख्तार फिर उत्तर प्रदेश लाया गया है।

पुलिस टीम बांदा से सोमवार सुबह पंजाब के लिए निकली थी। टीम बांदा से बिंदकी होते हुए कानपुर के रास्ते गई थी, लेकिन वापसी में बदले रूट से इटावा होते हुए सिकंदरा, भोगनीपुर, घाटमपुर, हमीरपुर के रास्ते बांदा गई। माफिया मुख्तार को बांदा जेल से 21 जनवरी, 2019 को पंजाब के रोपड़ जिले की रूपनगर जेल में शिफ्ट किया गया था। बांदा जेल में पिछली बार मार्च 2017 में दाखिल किए गए मुख्तार का ठिकाना बैरक नं. 15 थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की अपील- कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करें लोग, कहा- नाइट कर्फ्यू पर विचार करे सरकार

प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के लोगों से कोविड-19 गाइडलाइंस के प्रति अपनी जिम्मेदारी महसूस करने की अपील की है। कोर्ट मे कहा है कि सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर को रोकने के कदम उठाएं हैं, किंतु सरकारी दिशा निर्देशों का ठीक से पालन नहीं किया जा रहा है। हाई कोर्ट ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे निर्देशों का कड़ाई से पालन कराएं। कोर्ट ने सरकार से देर शाम समारोहों में भीड़ नियंत्रित करने के साथ ही नाइट कर्फ्यू पर भी विचार करने को कहा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 45 वर्ष से ऊपर की आयु के बजाए सभी लोगों का उनके घरों पर वैक्सीनशन पर सरकार विचार करे।

यह आदेश मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर तथा न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा की खंडपीठ ने कोरोना संक्रमण मामले में दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। अगली सुनवाई आठ अप्रैल को वीडियो कांफ्रेंसिंग से होगी। कोर्ट ने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह सौ फीसदी मास्क पहनना अनिवार्य रूप से लागू कराएं। डीजीपी से अपेक्षा की गई है कि वह इस संबंध में कार्ययोजना तैयार करा कर उसे अमल में लाना सुनिश्चित कराएंगे।

अदालत ने कहा है कि कहीं भी भीड़ इकट्ठा न होने दी जाए और उसे तुरंत तितर-बितर किया जाय। खास तौर पर पंचायत चुनावों के लिए नामांकन व प्रचार में भीड़ न होने दी जाए। प्रचार के समय कोरोना गाइड लाइंस का पालन किया जाए। कोर्ट ने 45 वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों की बजाय सभी नागरिकों का वैक्सीनेशन करने और घर-घर जाकर टीके लगाने पर विचार करने का निर्देश देते हुए यह भी कहा है कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की जांच कराई जाए।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से देर शाम समारोहों में भीड़ नियंत्रित करने के साथ ही रात्रि कर्फ्यू लगाने पर भी विचार करने के लिए कहा है।

कोरोना संक्रमण के साथ एईएस का खतरा, एंबुलेंस में ही हो जाएगा प्राथमिक उपचार

समस्तीपुर । कोरोना संकट के साए में गर्मी के दस्तक के साथ ही जिले में एईएस चमकी बुखार का खतरा मंडराने लगा है। भले ही जिले में एईएस चमकी बुखार का कोई मामला अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इस बीमारी से निबटने को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सारी तैयारियां पूरी कर ली है। एईएस चमकी बुखार की रोकथाम के साथ आवश्यक तैयारियों के साथ स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्राउंड लेवल पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सदर अस्पताल में 10 बेडों के पीकू वार्ड के साथ-साथ प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो-दो बेड के वार्ड बनाए गए हैं। इसकी रोकथाम व बचाव को लेकर आशा, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, चिकित्सा पदाधिकारी व 102 एंबुलेंस के सभी ईएमटी को आवश्यक ट्रेनिंग दी जा चुकी है। जिला वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार के अनुसार एईएस की रोकथाम व इलाज की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। पीएचसी स्तर पर भी लोगों को जागरूक करने के लिए डोर-डोर भ्रमण के साथ वाल पेंटिंग कराई जा रही है। ग्राउंड लेवल पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बीमार बच्चों को अस्पताल तक लाने के लिए पंचायत स्तर पर वाहनों की टैगिंग भी की गई है।

एंबुलेंस में रहेगी हर तरह सुविधा

एईएस की रोकथाम के लिए जिले में सभी ईएमटी को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्हें पीड़ित बच्चे के प्राथमिक इलाज की भी जानकारी दी गई है। एंबुलेंस में दवा, ऑक्सीजन तथा जरूरी उपकरण के मौजूद रहने से प्राथमिक चिकित्सा एंबुलेंस में ही हो जाएगी। वहीं पर मरीज का तापमान, शूगर का लेवल जैसी जांच संभव हो सकेगी। जरूरत पड़ने पर सॉल्यूशन या ग्लूकोज भी चढ़ाया जा सकेगा। वैसे बच्चे जिनको चमकी की समस्या होगी उन्हें तत्काल एक नोजल स्प्रे दिया जाएगा। इस स्प्रे का इस्तेमाल मिर्गी या चमकी को शांत करने के लिए होता है। यह नोजल स्प्रे प्रत्येक एंबुलेंस में उपलब्ध कराया गया है।

एंबुलेंस में ईएमटी के पास रहेगा चेकलिस्ट– एंबुलेंस में ईएमटी के पास चेकलिस्ट भी उपलब्ध रहेगा। जिसे उन्हें भरकर चिकित्सक को देना होगा। इससे यह पता लगाना आसान हो जाएगा कि चमकी पीड़ित को क्या-क्या समस्याएं हो रही थी और कौन सी आपात सुविधा इसे दी गयी थी। इससे मरीजों के प्रबंधन में काफी आसानी हो जाएगी और हर एक चमकी पीड़ित की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो जाएगी।

क्या है चमकी बुखार के लक्षण

चमकी नाम की बीमारी में शुरूआत में तेज बुखार आता है। इसके बाद बच्चों के शरीर में ऐंठन शुरू हो जाती है। इसके बाद तंत्रिका तंत्र काम करना बंद कर देता है। इस बीमारी में ब्लड शुगर लो हो जाता है। बच्चे तेज बुखार की वजह से बेहोश हो जाते है और उन्हें दौरे भी पड़ने लगते है। जबड़े और दांत कड़े हो जाते है। बुखार के साथ ही घबराहट भी शुरू होती है और कई बार कोमा में जाने की स्थिति भी बन जाती है।

चुनाव को लेकर बंगाल पहुंचने लगे जेडीयू के स्टार प्रचारक, सीएम नीतीश के जाने पर सस्पेंस

पटना । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वहां चौथे चरण के मतदान में पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की फौज उतार दी है। जेडीयू पश्चिम बंगाल में 45 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहां चौथे चरण का मतदान 10 अप्रैल को होगा। इसके लिए बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी की भी आज चार रैलियां हैं। जेडीयू की बात करें तो उसकी तरफ से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भी वहां जाने की संभावना है। हालांकि, उनका कार्यक्रम फिलहाल तय नहीं है।

जेडीयू पश्चिम बंगाल में अकेले 45 सीटों पर चुनाव मैदान में है। पार्टी ने वहां अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। उसने वैसे मजबूत माने जाने वाले प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है, जिन्हें कांग्रेस , वाम दलों या तृणमूल कांग्रेस ने टिकट नही दिया। जेडीयू बंगाल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है। जेडीयू के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रभारी गुलाम रसूल बलियावी को अपने बेहतर करने की उम्मीद है। हालांकि, यह भी तथ्य है कि पार्टी का बिहार के बाहर अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है।

इस बीच बंगाल चुनाव के लिए जेडीयू के स्टार प्रचारक बंगाल के लिए रवाना होने लगे हैं। चुनाव प्रचार के लिए बंगाल जाने के पहले जेडीयू सांसद संतोष कुशवाहा ने कहा कि बंगाल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बेहद सम्मान की नजर से देखा जाता है। पार्टी को वहां शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार भी चुनाव प्रचार के लिए बंगाल पहुंच चुके हैं।

स्टार प्रचारकों की बात करें तो पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में जेडीयू को जीत दिलाने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जेडीयू अध्यक्ष आरसीपी सिंह, राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी, ललन सिंह , रामनाथ ठाकुर, अशोक चौधरी, श्रवण कुमार, संजय झा, संतोष कुशवाहा, चंदेश्वर चंद्रवंशी, गुलाम रसूल बलियावी, कहकशां परवीन, बबलू महतो अशोक दास एवं रविंद्र सिंह पर है।

विदित हो कि पश्चिम बंगाल में चौथे चरण का मतदान 10 अप्रैल को होगा। इसके लिए बुधवार को बीजेपी की ओर से गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री व टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी की भी चार रैलियां हैं। जेडीयू की बात करें तो उसकी तरफ से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भी वहीं जाने की संभावना है। हालांकि, उनका कार्यक्रम फिलहाल तय नहीं है।

एक नजर

मोदी की वजह से सुषमा-जेटली का हुआ निधन... बिगड़े बोल पर स्टालिन के बेटे को मिला नोटिस

चेन्नै । अरुण जेटली और सुषमा स्वराज जैसे नेताओं का निधन पीएम नरेंद्र मोदी की वजह से हुआ था क्योंकि वे उनके दबाव और उत्पीड़न को नहीं सह सके। इस आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। आयोग की ओर से उदयनिधि को बुधवार शाम तक जवाब देने का आदेश दिया गया है। आयोग ने चेताया है कि यदि उदयनिधि तय समय के भीतर अपनी ओर से जवाब नहीं देते हैं तो फिर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। नोटिस में कहा गया है कि आयोग को बीजेपी की ओर से 2 अप्रैल को शिकायत मिली है कि उदयनिधि ने धारापुरम में एक रैली को संबोधित करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

इस विवादित टिप्पणी में उदयनिधि ने कहा था, सुषमा स्वराज और अरुण जेटली का निधन इसलिए हो गया क्योंकि वह पीएम नरेंद्र मोदी के दबाव और उत्पीड़न को नहीं झेल सके। चुनाव आयोग का मानना है कि उदयनिधि की इस टिप्पणी ने आचार संहिता को तोड़ने का काम किया है। आयोग के निर्देशों के मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान कोई भी नेता विपक्षी दल की नीतियों, पिछले काम और रिकॉर्ड को आधार बनाते हुए ही आलोचना कर सकता है। आचार संहिता के मुताबिक किसी भी नेता की निजी जिंदगी या संबंधों के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की जा सकती। इसके अलावा विपक्षी नेताओं या कार्यकर्ताओं पर गलत आरोप लगाने से बचने की भी सलाह दी गई है। बता दें कि तमिलनाडु में मंगलवार 6 अप्रैल को वोटिंग थी और एक ही राउंड में सभी सीटों पर मतदान हुआ है। इसके साथ ही केरल, पुडुचेरी में भी 6 अप्रैल को ही वोटिंग थी। वहीं असम में भी मंगलवार को तीसरे और आखिरी राउंड की वोटिंग हो गई। हालांकि इस चुनावी जंग में सबसे ज्यादा चर्चा पश्चिम बंगाल की है, जहां 8 राउंड में वोटिंग होनी है। चौथे चरण का मतदान पश्चिम बंगाल में 10 अप्रैल को होना है और आखिरी राउंड की वोटिंग 27 अप्रैल को होगी। इसके बाद 2 मई को सभी 5 राज्यों के चुनावी नतीजों का एक साथ ही ऐलान होगा।

वैक्सीन लेने के बाद कितने हुए पॉजिटिव, ट्रैक करेगा स्वास्थ्य मंत्रालय, हुए ये बदलाव

नई दिल्ली । देश में कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों के बीच वैक्सीनेशन ड्राइव जोरों पर है। स्वास्थ्य मंत्रालय कोरोना के मामलों में बढ़ती तेजी को देखते हुए कई और कदम उठा रहा है। ऐसे में इसके तहत एक बड़ा कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि देश में टीका लेने के बाद कितने लोग पॉजिटिव हुए हैं. अब एक नया बदलाव करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने टीका लेने के बाद पॉजिटिव होने वाले लोगों को लेकर कोविड-19 के सैंपल टेस्ट के फॉर्म में नया कॉलम जोड़ा है। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्रालय के पास पता करने का कोई जरिया नहीं था कि टीका लेने के बाद कोई पॉजिटिव हो रहा है या नहीं. कई जगहों से टीका लेने के बाद पॉजिटिव होने की खबरों के बाद ये व्यवस्था की गई है।

अब लोगों को सैंपल रेफरेंस फॉर्म में यह बताना होगा कि क्या उन्होंने कोरोना का टीका लिया है? Cova&in या Covishiled, कौन सा टीका लिया है, ये जानकारी देनी होगी. टीका लेने की तारीख भी बतानी होगी. ये भी जानकारी देनी होगी कि पहला डोज कब और दूसरा अगर लिया है तो कब.

बता दें कि देश में कुछ स्वास्थ्यकर्मियों और वैक्सीन के आम लाभार्थियों में यह देखने को मिला था कि वो वैक्सीन लेने के बाद भी पॉजिटिव हुए हैं. हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना था कि वैक्सीन लेने के बाद इसका असर एक-दो हफ्तों में शुरू होता है, वहीं, मरीज ने दूसरी डोज़ भी ली है या नहीं. इस बात पर भी यह समस्या निर्भर करती है. देश में वैक्सीनेशन की स्पीड बढ़ाई जा रही है. पिछले 24 घंटों में वैक्सीन के 33 लाख डोज दिए गए हैं, जिसके बाद देश में अब तक कुल 8.7 करोड़ डोज दिए जा चुके हैं. फिलहाल भारत में कोवैक्सीन और कोविशील्ड की वैक्सीन दी जा रही है.

एंटीलिया मामले में एनआईए के सामने पेश हुए मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परम बीर सिंह

मुंबई । मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास विस्फोटक से भरी एसयूवी के मामले में अपना बयान दर्ज करने के लिए बुधवार को एनआईए के समक्ष पेश हुए। मिली जानकारी के अनुसार परमबीर सिंह सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर दक्षिण मुंबई में स्थित राष्ट्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। बता दें कि 25 फरवरी को मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास विस्फोटक से भरे वाहन की बरामदगी और उसके बाद ठाणे के व्यवसायी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में लगातार शक के घेरे में हैं जिसके चलते मुंबई पुलिस प्रमुख के पद से हटा दिया गया है वर्तमान में वे होम गार्ड्स के महानिदेशक हैं।

गौरतलब है कि मुकेश अंबानी के आवास के बाहर विस्फोटक से लदे वाहन के मामले में एनआइए ने सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाझे को गिरफ्तार किया था। वहीं इसके बाद मनसुख हिरेन हत्या मामले में निलंबित पुलिस कांस्टेबल विनायक शिंदे और क्रिकेट सट्टेबाज नरेश गोर को भी गिरफ्तार किया था। मनसुख हिरेन का शव बीती 5 मार्च को ठाणे के मुंब्रा क्रीक इलाके में संदिग्ध अवस्था में मिला था। मनसुख हिरेन की हत्या के बाद से ही इस मामले में लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अदालत को बताया था कि मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे और विनायक शिंदे उस बैठक में शामिल थे जहां मनसुख हिरेन की हत्या की साजिश रची गई थी। एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि सचिन वाझे ने इस घटना को अंजाम देने के लिए मोबाइल फोन का प्रयोग किया था।

कोरोना से राजस्थान के पर्यटन व्यवसाय पर संकट, हजारों लोगों के बेरोजगारी पर आ सकती है मुश्किल

जयपुर । कोरोना एक बार फिर पूरे देश में पैर पसार रहा है। कोरोना संक्रमण के कारण राजस्थान के पर्यटन व्यवसाय पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। संक्रमण के चलते एक माह में ही प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में एक लाख से अधिक की कमी आई है। अब जब राजस्थान सरकार ने और अधिक सख्ती की तो अप्रैल माह में पहले से अधिक बुरा प्रभाव पड़ता हुआ साफ नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार इस साल फरवरी में प्रदेश में 4 लाख 18 हजार से अधिक पर्यटक आए, वहीं मार्च में जब कोरोना ने एक बार फिर रौद्र रूप दिखाना शुरू किया तो पर्यटकों की संख्या 3 लाख 13 हजार 900 तक पहुंच गई। अप्रैल के पहले सप्ताह में मात्र 5 हजार पर्यटक पूरे प्रदेश में आए। संक्रमण के बढ़ते खौफ के बीच प्रदेश के पर्यटन व्यवसाय पर एक बार फिर संकट में आने लगा है। अगर संक्रमण पर शीघ्र काबू नहीं पाया गया तो प्रदेश के पर्यटन ढांचे पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। हजारों लोगों के रोजगार पर संकट आ जाएगा। पिछले साल 18 मार्च से प्रदेश के पर्यटन स्थलों को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया था। होटल भी बंद हो गए थे। अब एक बार फिर वहीं तारीख निकट आ रही है और संक्रमितों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राज्य के पर्यटन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मार्च माह में करीब 11 हजार पर्यटकों की बुकिंग रद्द हुई है। कोरोना महामारी के कारण कई होटल और ट्रैवल एजेंसियां तो पिछले साल ही बंद हो गए थे। अब एक बार फिर संक्रमण का खौफ सामने देख होटल और ट्रैवल एजेंसी संचालकों के साथ ही इनमें काम करने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। पर्यटन व्यवसाय पर सबसे बुरा असर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद होने और विदेशी पर्यटकों के नहीं आने से हो रहा है। पर्यटन मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार पर्यटन इंडस्ट्री को मदद देने की कोशिश कर रही है। कोरोना महामारी के कारण हुए नुकसान से सरकार भी चिंतित है।

रद्द हुए बड़े मेले और शाही रेलगाड़ी- कोरोना महामारी के कारण विदेशी पर्यटकों में लोकप्रिय शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स पिछले साल रद्द कर दी गई थी। इस साल भी संक्रमण बढ़ते देख इसके संचालन पर संकट के बादल नजर आ रहे हैं। देशी-विदेशी पर्यटकों में लोकप्रिय पुष्कर मेला और पुष्कर की कपड़ा फाड़ होली इस बार नहीं हुई। जैसलमेर के मरू महोत्सव में भी पहले की तरह रौनक नहीं दिखाई दी। इसके साथ ही एक दर्जन छोटे-बड़े मेले और उत्सव रद्द कर दिए गए। रामदेवरा और खाटूश्याम जी का मेला भी इस बार फीका ही रहा। आमेर महल में हाथी की सवारी भी पूरे साल नहीं हो सकी। लंबे समय बाद रणथंभौर और सरिस्का टाइगर रिजर्व के साथ ही जयपुर के बॉयोलॉजिकल पार्क में सफारी शुरू हुई थी

शिवसागर में निमाई जन में शिल्पकार, भैंस के सींग से बने पवन यंत्र, रोंगाली बिहू उत्सव से पहले तैयार करते हुए।

कोविड के जोखिम को इस तरह बढ़ा देती है सिगरेट, सरकार ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली । केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को एक ट्वीट के माध्यम से धूम्रपान करने वालों के लिए एक कड़ी चेतावनी जारी की, जहां इसने धूम्रपान के प्रतिकूल प्रभावों को बताया है कि कैसे यह लोगों को कोविड-19 के प्रति संवेदनशील बनाता है।

अपने ट्विटर हैंडल में मंत्रालय ने एक इन्फोग्राफिक साझा किया कि कैसे धूम्रपान करने से लोगों में कोविड -19 की संभावना बढ़ जाती है। इन्फोग्राफिक में बताया गया है कि धूम्रपान फेफड़ों की क्षमता को कम करता है। इसमें यह भी कहा गया है कि पाइप के साथ धूम्रपान करने से कोविड -19 फैल सकता है। इसमें यह भी बताया गया है कि धूम्रपान वायरल निमोनिया के अधिक जोखिम की संभावना को बढ़ाने के साथ-साथ वायरस के संचरण की संभावना को भी बढ़ाता है। बता दें कि कोरोना को लेकर कई रिसर्च में स्मोकिंग से इसका जोखिम बढ़ने की बात कही गई है। बीते साल स्वास्थ मंत्री ने भी ऐसी ही जानकारी दी थी।

बताते चलें कि केंद्र सरकार का कहना है कि कोरोना की दूसरी लहर ज्यादा तेज है इसलिए देश के लिए अगले चार सप्ताह बेहद नाजुक हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस कांफ्रेंस में मंगलवार को नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोरोना की लहर की तीव्रता इस बार ज्यादा है। पिछली बार के मुकाबले यह तेजी से फैल रहा है। इसे नियंत्रित करने के लिए पूरे देश को मेहनत करनी होगी तथा इसमें जन भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि अगले चार सप्ताह देश के लिए बेहद नाजुक हैं। देश में एक दिन पहले ही कोरोना के दैनिक संक्रमण के मामले पिछला रिकॉर्ड पार कर चुके हैं। यह पूछने पर कि इस बार कोरोना की पीक कितनी बड़ी होगी, उन्होंने कहा कि इसका आकलन करना संभव नहीं है। ऐसा कोई आकलन नहीं किया गया है।

भारत और चीन के बीच 9 अप्रैल को हो सकती है 11वें दौर की सैन्य वार्ता

नई दिल्ली । लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर तनाव कम करने को लेकर दोनों देशों की ओर से सैन्य वार्ता के जरिए कोशिशें जारी हैं। लद्दाख के गोगरा, हॉट स्प्रिंग और डेपसांग क्षेत्र में जारी तनाव को हल करने के लिए भारत-चीन के बीच सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता नौ अप्रैल को हो सकती है। भारतीय सेना के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी कि दोनों देशों के बीच 11वें दौर की वार्ता 9 अप्रैल को होगी। बता दें कि लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच बीते लगभग एक साल से टकराव चल रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, पैंगोंग झील क्षेत्र में चीन के साथ तनाव के समाधान के बाद दोनों देशों की सेनाएं गोगरा पहाड़ियों और डेपसांग इलाके में सैन्य मौजूदगी घटाने के मुद्दे पर चर्चा कर सकती हैं। यह वार्ता भारत-चीन के बीच सैन्य विवाद को लेकर हाल ही में हुई राजनयिक स्तर की बातचीत के बाद होगी। पिछले महीने सैन्य और राजनीतिक स्तर की विभिन्न दौर की बैठक के बाद दोनों देश पैंगोंग में सेना हटाने पर सहमत हुए थे। सभी पक्षों ने विवाद के समाधान का श्रेय सेना प्रमुख एमएम नरवणे को दिया था।

बता दें कि पहले लद्दाख के पैंगोंग त्सो के उत्तरी और दक्षिणी किनारों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों से दोनों देशों की सेनाओं की वापसी के पूरा होने के दो दिन बाद 20 फरवरी को भारत और चीन की सेनाओं के कोर कमांडर-रैंक के अधिकारियों के बीच 10वें दौर की बातचीत हुई थी। करीब 16 घंटे चली इस बैठक में पूर्वी लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देप्सांग जैसे गतिरोध वाले बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

क्वाड से चीन की चिंताएं बढ़ीं

इधर, क्वाड को लेकर चीन की

चिंताएं बढ़ गई हैं। चीन ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न देशों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति के अनुकूल होना चाहिए। क्षेत्र में बढ़ती चीनी आक्रामकता के बीच हिंद महासागर में फांस और भारत सहित क्वाड के अन्य सदस्यों के वृहद नौसेना अभ्यास में शामिल होने के एक दिन बाद चीन ने यह टिप्पणी की है। भारत और क्वाड के तीन अन्य सदस्यों - अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान ने सोमवार को पूर्वी हिंद महासागर में फ्रांस के साथ तीन दिवसीय नौसेना अभ्यास शुरू किया। फ्रांस व क्वाड गठबंधन देशों के नौसेना अभ्यास के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने मंगलवार को बीजिंग के इस रुख को दोहराया कि इस तरह का सहयोग क्षेत्र में शांति के लिए अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने यहां मीडिया से बातचीत में कहा, मैंने इन रिपोर्टों को देखा है। हमारा हमेशा मानना रहा है कि देशों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के अनुकूल होना चाहिए। इस अभियान के दौरान भारतीय नौसेना के पोत और विमान फ्रांस, आस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के पोतों और विमानों के साथ समुद्र में अभ्यास करेंगे।

वहीं, थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी सीमाओं पर नए सिरे से चुनौतियों का सामना कर रहा है और प्रशिक्षण ले रहे सैन्य अधिकारियों को इस तरह के सभी घटनाक्रमों से अवगत रहना चाहिए। जनरल नरवणे तमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) में पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं के घटनाक्रम तथा भारतीय सेना के भावी रोडमैप पर उनके प्रभाव विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।

भारतीय सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार थल सेना प्रमुख ने जोर दिया कि देश अपनी सीमाओं पर नयी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने छात्रों से सभी घटनाक्रमों को लेकर अवगत रहने का आह्वान किया। सेना प्रमुख को पेशेवर सैन्य शिक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में डीएसएससी की भूमिका को बढ़ाने की दिशा में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और ढांचागत विकास में किए जा रहे बदलावों के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने कोविड-19 महामारी की बाधाओं के बावजूद प्रशिक्षण की बहुत बेहतर स्थिति बनाए रखने के लिए कॉलेज की सराहना की।

बीड जिले में कोरोना को लेकर हालात बिगड़े, आठ शवों का एक साथ किया गया अंतिम संस्कार

मुंबई । महाराष्ट्र में कोरोना को लेकर स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है. राज्य के ज्यादातर शहरों में कोरोना के नए मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है. हालात यह है कि कुछ शहरों में तो कई लोगों का एक साथ अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है. बीड जिले में भी कोरोना संक्रमण को लेकर स्थिति भयावह है. जिले के अंबाजोगाई में मंगलवार को आठ लोगों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया.

इनमें से एक महिला है, बाक़ी सात पुरुष. इन सभी की आयु 60 वर्ष से अधिक है. गौरतलब है कि अंबाजोगाई तालुका हॉटस्पॉट बना है, यहां पिछले दिनों में लगभग 500 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं. यहां मौतों की संख्या बढ़ रही है. बीड ज़िले में बीते 24 घटों में 741 संक्रमित मिले हैं और 8 मौतें हुई हैं.

गौरतलब है कि कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच महाराष्ट्र के भीतर जो हॉटस्पॉट ज़िले हैं वहां द्रुष्ट बेड और ऑक्सीजन की भारी कमी हो गई है. पुणे में तो अस्पताल के वेटिंग एरिया में सात ऑक्सीजन बेड लगाने पड़े हैं ताकि मरीज़ों को लौटाने के बजाए ऑक्सीजन देकर बचाया जाए. मुंबई के 92त्न आईसीयू, 93त्न वेंटिलेटर बेड फुल हैं. जीवनरक्षक दवा रेमडेसिविर के लिए फिर लंबी क़तार दिखने लगी है. नासिक जिले में रेमडेसिविर के लिए लंबी कतार लगी. कई जगह स्टाक खत्म होने से लोग नाराज नजर आए. राज्य हाराष्ट्र के सबसे प्रभावित ज़िले पुणे में आईसीयू-ऑक्सीजन बेड फुल है इसलिए पिंपरी इलाके के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल ने लोगों को लौटाने के बजाए, वेटिंग एरिया में ही 7 ऑक्सीजन बेड लगाए हैं. इस पहल से मरीज़ों की जान बच रही है.

केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन बोले- कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए शादियां, निकाय चुनाव और किसान आंदोलन जिम्मेदार

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने देश में कोरोना वायरस के रोज बढ़ते मामलों के लिए शादी, स्थानीय चुनावों और किसान आंदोलन को सबसे बड़ी वजह बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के 11 राज्यों में कोरोना वायरस के बढ़ते मामले गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

केंद्र सरकार ने उन 11 राज्यों की अलग सूची बनाई है जहां कोरोना की स्थिति भयावह है। ये राज्य महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान हैं। ये राज्य सबसे बड़ी टेंशन इसलिए हैं क्योंकि यहां कोरोना से होने वाली मौतें भी तेजी से बढ़ रही हैं।

राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों संग

वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान डॉक्टर हर्षवर्धन ने कहा, इन राज्यों में बीते दो हफ्तों में कोरोना के रोजाना आने वाले मामले और मौतों की संख्या सबसे ज्यादा है। ये 11 राज्य ही अकेले 54 प्रतिशत कुल मामलों के जिम्मेदार हैं और कोरोना से होने वाली 65 प्रतिशत मौतें भी इन राज्यों में हो रही है। इनमें महाराष्ट्र और पंजाब सबसे ऊपर हैं।

मंगलवार देर रात तक भारत में कोरोना वायरस के 1 लाख 15 हजार 320 नए मामले दर्ज किए गए हैं जिसके बाद देश में कुल मामले बढ़कर 1 करोड़ 17 लाख 89 हजार 781 तक पहुंच गई है। वहीं, मंगलवार देर रात तक कोरोना की वजह से 630 लोग जान गंवा चुके थे।

महाराष्ट्र में संक्रमण दर सबसे ज्यादा 25 प्रतिशत है तो वहीं छत्तीसगढ़ में यह 14 प्रतिशत है। डॉक्टर हर्षवर्धन ने बताया कि फरवरी 2021 से इन राज्यों में कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं और संक्रमितों में से अधिकांश लोग 15 से 44 साल की उम्र के हैं। इसके साथ ही कोरोन से जान गंवाने वाले अधिकतर लोगों की उम्र 60 या उससे ज्यादा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों में टेस्ट की संख्या बढ़ाए जाने की सराहना की लेकिन उन्होंने गुजरात, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रैपिड ऐंटीजेन टेस्ट की बढ़ती संख्या पर चेताया भी। डॉक्टर हर्षवर्धन ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए राज्यों को हर संभव मदद मुहैया कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना से होने वाली मौतों की दर अब 1.30 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

ड्यूटी में देरी पर होता है एक्शन, पर 3 अप्रैल से लापता होने पर सरकार चुप, सीआरपीएफ जवान की पत्नी का सवाल

नई दिल्ली । बीती 3 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बीजापुर-सुकमा बॉर्डर पर नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ के बाद से ही लापता सीआरपीएफ जवान राकेश्वर सिंह मनहास की पत्नी ने अब व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। राकेश्वर सिंह की पत्नी मीनू ने कहा है कि अगर एक जवान ड्यूटी पर पहुंचने में देरी कर दे तो उसके खिलाफ कार्रवाई होती है लेकिन अब जब एक जवान 3 अप्रैल से लापता है तो सरकार चुप बैठी है।

जवान की पत्नी ने कहा, अगर कोई जवान अपनी छुट्टियां खत्म होने के एक दिन बाद ड्यूटी जॉइन करता है तो उसके खिलाफ ऐक्शन होता है। अब जब 3 अप्रैल से जवान लापता है तो सरकार की ओर से कोई ऐक्शन नहीं लिया गया है। हम चाहते हैं कि सरकार कोई मध्यस्थ खोजे ताकि वह (राकेश्वर सिंह) जल्द से जल्द रिहा हों।

बता दें कि 3 अप्रैल को हुए एनकाउंटर में 22 जवान शहीद हो गए थे और 31 घायलों का इलाज चल रहा है। मुठभेड़ के दिन से ही सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन का एक जवान राकेश्वर सिंह मनहास लापता है। नक्सलियों ने चिट्ठी लिखकर यह बताया है कि जवान उनके कब्जे में है। हालांकि, नक्सलियों ने यह शर्त भी रखी है कि सरकार एक मध्यस्थ नियुक्त करे जिसके बाद जवान को वे रिहा करेंगे।

अब राकेश्वसर सिंह के परिवार ने सरकार से इस मामले में कार्रवाई करने की अपील की है और जवान की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने को कहा है। नक्सलियों ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा थाा कि तीन अप्रैल को सुरक्षा बल के दो हजार जवान हमला करने जीरागुडेम गांव के पास पहुंचे थे, इसे रोकने के लिए पीएलजीए ने हमला किया है। इस कार्रवाई में 24 जवान मारे गए और 31 घायल हो गए। नक्सलियों ने बयान में कहा है कि एक जवान को बंदी बनाया गया है जबकि अन्य जवान वहां से भाग गए। उन्होंने कहा है कि सरकार पहले मध्यस्थों के नाम की घोषणा करे इसके बाद बंदी जवान को सौंप दिया जाएगा, तब तक वह जनताना सरकार की सुरक्षा में रहेगा।

सैलरी लेने वाले शहीद नहीं...माओवादी हमले को लेकर आपत्तिजनक कॉमेंट पर लेखिका गिरफ्तार

नई दिल्ली । छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सली हमले में शहीद हुए जवानों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की वजह से राजद्रोह के आरोप में 48 वर्षीय एक लेखिका को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। असमी लेखिका शिखा सरमा ने छत्तीसगढ़ के नक्सली हमले में शहीद हुए 22 जवानों को लेकर एक फेसबुक पोस्ट लिखी थी और शहीद के दर्जे को लेकर सवाल खड़े किए थे, जिसके आधार पर उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया और मंगलवार को गुवाहाटी में उनकी गिरफ्तारी हुई।

इंडियान एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर मुन्ना प्रसाद गुप्ता के अनुसार, शिखा सरमा गुवाहाटी बेस्ड राइटर हैं और उन्हें आईपीसी की धारा 124 एक (राजद्रोह) समेत अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें आज यानी बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं सरमा ने सोमवार को छत्तीसगढ़ हमले को लेकर एक फेसबुक पोस्ट लिखा था।

उन्होंने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा- अपनी ड्यूटी के दौरान काम करते हुए मरने वाले वेतनभोगी पेशेवरों को शहीद का दर्जा नहीं दिया जा सकता। इस तर्क से तो बिजली विभाग में काम करने वाले कर्मचारी की अगर बिजली के झटकों की वजह से मौत हो जाती है तो उसे भी शहीद का दर्जा मिलना चाहिए। लोगों की भावनाओं के साथ मत खेलो। शिखा सरमा के इस पोस्ट की तीखी आलोनचा हुई।

इस पोस्ट के बाद गुवाहाटी हाईकोर्ट के दो वकीलों उमी देका बरुहा और कंगकना गोस्वामी ने दिसपुर पुलिस स्टेशन में लेखिका शिखा सरमा के खिलाफ मामला दर्ज कराया। वकीलों ने अपनी एफआईआर में कहा- यह हमारे सैनिकों के सम्मान का पूरी तरह से अपमान है और इस तरह की भद्दी टिप्पणी न केवल हमारे जवानों के अद्वितीय बलिदान को कम करती है, बल्कि राष्ट्र की सेवा की भावना और पवित्रता पर मौखिक हमला भी है। शिकायतकर्ताओं ने अधिकारियों से सरमा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

दिसपुर पुलिस स्टेशन के ओसी प्रफुल्ल कुमार दास ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और एफआईआर के आधार पर एक गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बताया कि सरमा ने बताया कि वह एक लेखिका हैं। शिखा के फेसबुक प्रोफाइल के मुताबिक, वह डिब्रुगढ़ के ऑल इंडिया रेडियो में एक आर्टिस्ट हैं।

ओडिशा: शिकायत करने पहुंचे दंपती पर भीड़ ने थाने में कर दिया हमला, दोनों गंभीर रूप से घायल

भुवनेश्वर । ओडिशा में पुलिस पर हमला करने वाली भीड़ का एक और उदाहरण सामने आया है। मंगलवार की रात ओडिशा के बालासोर जिले में भीड़ ने पुलिस थाने के अंदर घुसकर पुलिस और दो अन्य लोगों पर हमला कर दिया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार रात 11 बजे, बालासोर जिले के रेमुना पुलिस थाने में लगभग 150 लोगों ने रघुनाथ साहू और उनकी पत्नी प्रमिता दास पर हमला किया, जो अपने घरों में तोड़फोड़ की शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन आए थे।

रेमुना पुलिस थाने के निरीक्षक श्रीवल्लव साहू ने कहा कि साहू और उनकी पत्नी कल रात पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोप लगाया कि उनके घरों को उनके प्रतिद्वंद्वी समूह ने तोड़ दिया। थाना निरीक्षक ने बताया, ÷हम पूछताछ के लिए उनके गांव

का दौरा करने वाले थे कि उससे पहले लगभग 150 लोग अचानक पुलिस स्टेशन पहुंचे। हमने तुरंत गेट बंद कर दिया, लेकिन तब तक 20-30 लोग थाने में घुस गए और शिकायतकर्ताओं पर हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

भीड़ ने थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों पर भी हमला कर दिया। घायल दंपती को पहले रेमुना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ने के बाद बालासोर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेफर कर दिया गया। पुलिस ने अभी तक हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं की है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की एक टीम ने उन्हें दबोचने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है।

पिछले महीने, जाजपुर जिले में भीड़ ने दो समूहों की लड़ाई पर एक पुलिस जीप और जाजपुर जिले में एक वैन को आग लगा दी थी। भीड़ ने बालीचंद्रपुर पुलिस स्टेशन की पुलिस जीप और वैन में आग लगा दी थी। इस साल फरवरी में, ढेंकनाल जिले में ग्रामीणों के एक समूह ने एक पुलिस दल पर कथित रूप से हमला किया, और तेल चोरी के मामले में गिरफ्तार एक अभियुक्त को बचाने की कोशिश की।

इसी महीने जगतसिंहपुर जिले में जबरन वसूली के आरोपी एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के दौरान भीड़ के हमले में एक सहायक उप-निरीक्षक सहित तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए।

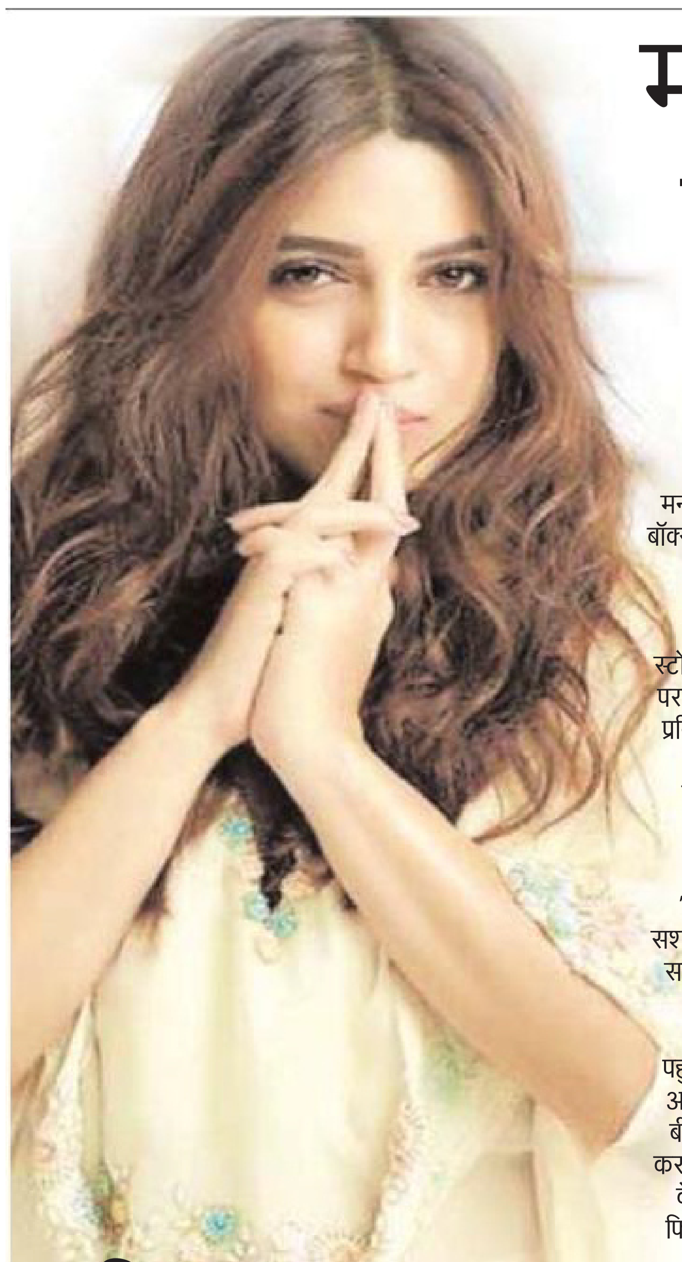

महिलाओं को सिनेमा में अच्छे रिप्रेजेंटेशन की जरूरत है

युवा बॉलीवुड स्टार भूमि पेडनेकर ने ये दिखाया है कि उनका झुकाव सामाजिक मनोरंजन करने वाली फिल्मों की तरफ है जो बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन करती हैं। इस वर्सेटाइल अभिनेत्री ने, टॉयलेट, शुभ मंगल सावधान, बाला, दम लगा के हईशा, डॉली किट्टी और वो चमके सितारे, लस्ट स्टोरीज आदि जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन परफार्मेंस से पर्दे पर महिलाओं को वास्तविक प्रतिनिधित्व दिलाया है। भूमि को लगता है कि इंडस्ट्री अभी भी महिलाओं को लेकर स्टीरियोटाइप्ड है और इन सब बातों से वह काफी प्रभावित होती हैं।

संतुलन जरूरी

''मैं अधिकांश ऐसी फिल्में चुनती हूं जिनमें सशक्त सामाजिक संदेश छिपा होता है लेकिन साथ ही मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स को चुनने के बारे में सोचती हूं जो कॉमर्शियली भी अच्छा करे। फिल्मों का संदेश और मकसद लोगों तक पहुंचे इसके लिए यह जरूरी है कि अधिक से अधिक लोग इन फिल्मों को देखें। मैं दोनों के बीच संतुलन वाली फिल्में करने की कोशिश कर रही हूँ। 'टॉयलेट मेरी सबसे कॉमर्शियल के साथ-साथ सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्मों में से एक है। लेकिन फिल्म की जैसी पहुंच थी या जिस तरह का उसका प्रभाव था, उसको देखकर मैं अचंभित थी। फिल्म रिलीज होने के बाद, ऐसे कैंपेन चलाए गए, जिनमें मां-बाप ये कहते हुए सबसे आगे थे, कि शौचालय नहीं, तो दुल्हन नहीं। यह वास्तव में गजब का अनुभव था।

अनोखे विषय

आयुष्मान और मैंने एक साथ - शुभ मंगल सावधान की जो ह्यूमन सेक्सुअलिटी जैसे विषय को उठाती है और यह एक ऐसी चीज है जिस पर कभी बात नहीं होती। मैंने लस्ट स्टोरीज की, जो लैंगिक भेद, वर्ग विभाजन और वुमन सेक्सुअलिटी के बारे में बात करती है, ये ऐसे विषय हैं जिनके बारे में बिल्कुल भी बात नहीं की जाती। महिलाओं को ऐसे जीव के रूप में दिखाया जाता है जिनकी कोई इच्छाएँ नहीं होतीं - कोई महत्वाकांक्षा या कोई यौन इच्छाएँ नहीं होतीं और इसी चीज को मैं फिर से बदलना चाहती हूँ।

वास्तविक महिलाएं

भूमि ऐसी फिल्में करना चाहती हैं जो सिनेमा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की कहानी को बदल दे। वे कहती हैं, अपने सिनेमा के माध्यम से, मैं वास्तविक महिलाओं को दिखाने की कोशिश करती हूं। सिनेमा में महिलाओं को अच्छे प्रतिनिधित्व की जरूरत है। मैं देखती हूं कि महिलाओं को स्क्रीन पर सही रिप्रेजेंटेशन नहीं मिलता। इससे मैं बहुत प्रभावित होती हूँ।

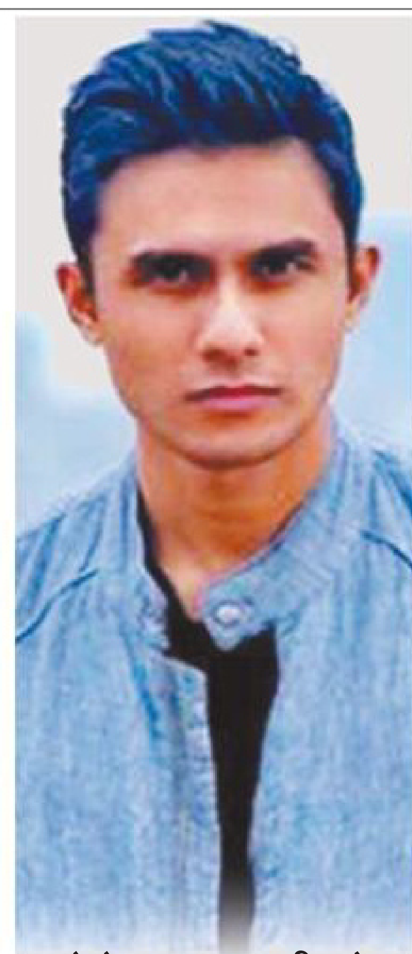

कोरोनावायरस की चपेट में आए 'बंदिश बैंडिट्स' एक्टर ऋत्विक भौमिक

देश में कोरोनावायरस का कहर बढ़ता ही जा रहा है। कई बॉलीवुड कलाकार भी इस महामारी की चपेट में आ रहे हैं। अब वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' में काम कर चुके अभिनेता ऋत्विक भौमिक भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। ऋत्विक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने रविवार को बताया कि वह कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए हैं और होम क्वारंटीन हो गए हैं। ऋत्विक भौमिक ने लिखा, मैं आज सुबह कोरोनावायरस से संक्रमित पाया गया और इसके बाद होम क्वारंटीन में रह रहा हूं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि वह जल्द ही स्वस्थ हो जाएंगे। पिछले साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई 'बंदिश बैंडिट्स' सीरीज से अभिनेता को लोकप्रियता मिली थी। इस सीरीज में श्रेया चौधरी, नसीरुद्दीन शाह समेत कई अन्य कलाकार थे।

अमिताभ बच्चन संग 'गुडबाय' में आएंगे नजर शिविन नारंग

छोटे पर्दे के कई सितारों ने बड़े पर्दे की ओर रुख किया है। कुछ ने सफलता का स्वाद चखा और कुछ फ्लॉप हो गए। अब टीवी अभिनेता शिविन नारंग भी फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। शिविन को विकास बहल की फिल्म 'गुडबाय' में काम करने का मौका मिल रहा है। इस फिल्म में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। शिविन लंबे समय से बॉलीवुड जगत में पदार्पण करने की सोच रहे थे और अब जाकर उनकी यह ख्वाहिश पूरी हुई है। शिविन जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। बीते दिन शिविन ने अपनी एक पोस्ट से सबको चौंका दिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट कर मुंबई को अलविदा कहा था। कैप्शन में लिखा था, 'डे वन गुडबाय।' इसके बाद से प्रशंसकों के मन में कई तरह के सवाल उठने लगे थे। अटकलें लगाई जा रही थी कि शिविन अब मुंबई छोड़कर जा रहे हैं। हालांकि, अब यह साफ हो चुका है कि शिविन 'गुडबाय' से बॉलीवुड में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। शिविन ने धारावाहिक 'सुरवीन गुग्गल' से छोटे पर्दे पर आगाज किया था। टेलीविजन पर उनकी अच्छी-खासी इमेज रही है।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए श्लोका पंडित ने किया सात साल स्ट्रगल

खूबसूरत अभिनेत्री श्लोका पंडित फिल्म हैलो चार्ली के साथ बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। फिल्म के ट्रेलर और गानों के रिलीज होने के साथ ही श्लोका को दर्शकों ने प्यार देना शुरू कर दिया है। वहीं श्लोका भी दर्शकों के प्यार को खूब एन्जॉय कर रही हैं। श्लोका ने अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए करीब सात साल का इंतजार किया है और खूब मेहनत की है। हैलो चार्ली की रिलीज से पहले श्लोका ने हिन्दुस्तान के साथ खास बातचीत की।

हैलो चार्ली से पहले आप एक शॉर्ट फिल्म 'द पर्शियन' में नजर आए थे, इसके बाद अब आपका बॉलीवुड डेब्यू है। कैसा महसूस कर रहे हैं?

'द पर्शियन' को मेरे एक एक्टिंग टीचर ने बनाया था। वो कोई पेड असाइनमेंट नहीं था, वो सिर्फ एक शॉर्ट फिल्म थी। बाकी एक शॉर्ट फिल्म और बॉलीवुड फिल्म में बहुत अंतर होता है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैं इस बेहतरीन फिल्म का हिस्सा बन पाई हूं।

इस फिल्म के मिलने के पीछे की कहानी क्या रही, क्या काफी स्ट्रगल करना पड़ा या फिर किस्मत ने साथ दिया और आसानी से बात बन गई?

करीब सात साल का स्ट्रगल रहा है। मुझे फिल्मों में काम करना ही था, चाहें जैसे भी हो। लेकिन बात कुछ बन नहीं रही थी रिजेक्शन मिल रहे थे। ऐसे में जिस कास्टिंग एजेंसी को मैं ऑडिशन दे रही थी, वहां पर हैलो चार्ली की कास्टिंग चल रही थी। तो मैंने ऑडिशन दिया और फिर आदर के साथ रीडिंग भी हुई। हालांकि मेरे साथ ही बाकी लड़कियों के भी ऑडिशन चल रहे थे, तो पता नहीं था कि नंबर कब लगेगा और लगेगा भी कि नहीं। लेकिन सात साल बाद किस्मत खुल गई और ये फिल्म मेरे हाथ आई। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे इतनी बढ़िया फिल्म, बढ़िया कास्ट और बढ़िया निर्देशक के साथ काम करने को मिला।

कब महसूस हुआ कि आपको एक्ट्रेस बनना है और फिल्मों में आना है?

बचपन का ही ख्वाब था। मैं शुरू से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थी, मुझे कभी और कोई दूसरा ख्याल ही नहीं आया कि मुझे इसके अलावा और कुछ करना है। बचपन से ही एक कीड़ा था कि मुझे एंटरटनेमेंट वर्ल्ड में ब्लास्ट करना है। ऐसे में मैंने शुरू से ही इसके लिए मेहनत की और कभी भी इसके अलावा कुछ और सोचा ही नहीं। मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि आखिरकार मुझे मौका मिला है। चाहें वो आदर हों, एलनाज हो या फिर पंकज सर, ये सभी बहुत कमाल के लोग हैं और बहुत मजा आया इन सभी के साथ काम कर के। इन लोगों ने मेरे बॉलीवुड डेब्यू को यादगार बना दिया है।

टाइगर श्रॉफ के अपोजिट एक्शन करने में कृति सेनन को होती है घबराहट

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ इस समय कई फिल्मों को लेकर चर्चा चल रहे हैं। वे जल्द ही फिल्म 'गणपत' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस कृति सेनन नजर आने वाली हैँ। इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन दिखने वाला है इसको लेकर कृति सेनन भी काफी मेहनत कर रही हैं। अब कृति सेनन ने टाइगर श्रॉफ के सामने एक्शन करने को लेकर कुछ ऐसा कहा है जो कि चर्चा में है। कृति सेनन ने कहा, वो हम जुलाई में शूटिंग शुरु करने वाले हैं लेकिन टाइगर श्रॉफ के सामने एक्शन करने को लेकर मैं काफी ज्यादा डरी हुई हूं। उन्होंने कहा, इसका कारण ये है कि इसमें टाइगर काफी अच्छे हैं। जब आप टाइगर के साथ एक्शन करते हैं तो आपको परफेक्ट होना पड़ता है।' कृति का ये बयान काफी चर्चा में चल रहा है। गौरतलब है कि कृति सेनन और टाइगर श्रॉफ ने एक साथ अपने करियर की शुरुआत साल 2014 में की थी। वे फिल्म हीरोपंती में साथ नजर आए थे। टाइगर श्रॉफ ने अपने दमदार एक्शन मूव्स से लोगों के दिल जीत लिया था।

रैम्बो के हिन्दी रीमेक में खुद के रिप्लेस करने की खबरों को टाइगर ने बताया बकवास

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वह अपनी आगामी फिल्म 'रैम्बो' की हिन्दी रीमेक को लेकर भी काफी समय से चर्चा में बने हुए हैं। हाल में खबर आई थी कि इस फिल्म में टाइगर को दिग्गज अभिनेता प्रभास रिप्लेस कर सकते हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी एक रोचक जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो टाइगर ने इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है कि फिल्म में उनकी जगह प्रभास को रिप्लेस किया जाएगा। खबरों के मुताबिक, टाइगर ने रैम्बो के हिन्दी रीमेक में खुद के रिप्लेस करने की खबरों को बकवास बताया है। टाइगर ने एक इंटरव्यू में इस प्रोजेक्ट में खुद की मौजूदगी के बारे में खुलकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जब टाइगर से 'रैम्बो' की हिन्दी रीमेक में हॉलीवुड स्टार सिलवेस्टर स्टेलोन की मौजदूगी पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने फिल्म में सिलवेस्टर के अपीयरेंस को खारिज नहीं किया है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट में अपनी दिलचस्पी जतायी है। टाइगर ने कहा कि वह इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, अभी इस प्रोजेक्ट में सिलवेस्टर की भूमिका में खुद को ढालने के लिए मैं अति उत्साहित हूं। प्रोजेक्ट में शामिल होना मेरे लिए काफी सम्मान की बात है। हम सभी जानते हैं कि 'रैम्बो' सीरीज की पहली फिल्म का क्या मतलब है। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद करने वाले हैं। टाइगर ने फिल्म का पोस्टर शूट किया था, लेकिन इसके बाद फिल्म को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई थी। बीते दिनों खबरें आई थी कि 'रैम्बो' की शूटिंग के लिए टाइगर के पास समय उपलब्ध नहीं है, इसलिए प्रभास उनको रिप्लेस कर सकते हैं। इस हॉलीवुड फिल्म की हिन्दी रीमेक के लिए टाइगर से पहले दिग्गज अभिनेता रितिक रोशन को अप्रोच किया गया था, लेकिन बाद में टाइगर को कास्ट किया गया। 'रैम्बो' एक हॉलीवुड फिल्म फ्रेंचाइजी है, जिसकी पांच फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। इसकी पहली फिल्म 1982 में रिलीज हुई थी, जिसमें हॉलीवुड स्टार सिलवेस्टर अहम भूमिका में दिखे थे।

पैपराजी पर भड़कीं फराह खान

फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान को बीते दिनों अपनी एक गलती की वजह से सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल होना पड़ा था। फराह का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह सड़क के किनारे आम की दुकान पर आम खरीदने के लिए मास्क उतारकर उसे सूंघती नजर आ रही थीं। वहीं, अब इस वायरल वीडियो पर फराह खान ने अपना रिएक्शन दिया है। इस समय सोशल मीडिया पर यह वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में फराह एक बार फिर किसी काम से बाहर जा रही हैं। तभी कुछ मीडिया फोटोग्राफर्स उनसे फोटोज लेने के लिए रुकने के लिए कहते हैं। इस दौरान फराह खान पूछती हैं कि वह कौन था, जिसने मेरी आम खरीदते हुए वीडियो बनाई थी। इसके जवाब में पैपराजी की टीम कहती है कि हम वो नहीं है। लेकिन वो वीडियो बहुत वायरल हुआ था। इसके बाद फराह नॉर्मल होती हैं और कैमरे की तरफ पोज देकर चली जाती हैं। बता दें कि बीते दिनों फराह खान शॉपिंग करने निकली थीं। इसी बीच वह सड़क के किनारे लगे एक आम की दुकान पर आम खरीदने के लिए रुक गईं। फराह को अच्छी क्वालिटी के आम चाहिए थे इसलिए वो उन्हें खरीदने से पहले परख रही थीं। ऐसे में उन्होंने मास्क उतारकर आम की खुशबू ली जिसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिस पर लोगों ने उन्हें जमकर लताड़ लगाई थी।

क्राइम ड्रामा सीरीज 'Damaged 3' में नजर आएंगी आमना शरीफ

टीवी की कशिश के नाम से फेमस एक्ट्रेस आमना शरीफ अब डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। आमना शरीफ साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा 'Damaged 3' से अपना डिजिटल डेब्यू करेंगी। इस वेब सीरीज के पहले दो सीजन काफी हिट साबित हुए हैं जिसमे अमृता खानविलकर मुख्य किरदार में थीं। टीवी जगत में हिट सीरियल कही तो होगा और कसौटी जिंदगी और बॉलीवुड में 6 फिल्में कर चुकी आमना की ये पहली ओटीटी पारी हैं, जिसमे वो काफ अलग अंदाज में नजर आनेवाली हैं। वह साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा में काम करने के लिए आमना काफी एक्साइटेड हैं। आमना शरीफ ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2003 आए टीवी शो 'कहीं तो होगा' से की थी। शो में कशिश का रोल प्ले करने वालीं आमना ने टीवी एक्टर राजीव खंडेलवाल के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय तीरंदाजों को कोरोना का दूसरा टीका लगा

पणजी, (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में शामिल होने वाले भारतीय तीरंदाजों को कोरोना महामारी के टीके की दूसरी डोज भी

लग गयी है। रिकर्व तीरंदाजों के राष्ट्रीय शिविर का आयोजन कर रहे सेना खेल संस्थान (एएसआई) की ओर से यहां के सैन्य अस्पताल में सभी आठ सीनियर तीरंदाजों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को यह दूसरा टीका लगाया गया। आठ तीरंदाजों में पुरुष वर्ग में अतनु दास, तरूणदीप राय, प्रवीण जाधव और बी धीरज (रिजर्व) जबकि महिला वर्ग में दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, कोमोलिका बारी और मधु वेदवान (रिजर्व) शामिल हैं।

तीरंदाज अतनु ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर टीकाकरण की तस्वीर के साथ लिखा, दूसरा और अंतिम टीका भी लग गया है। सभी चीजों को सरल बनाने के लिए सेना खेल संस्थान का धन्यवाद। वहीं महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी और अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप राय ने भी टीकाकरण की एक तस्वीर साझा की है। भारतीय टीम 19 अप्रैल से गुआटेमाला सिटी में होने वाले विश्व कप चरण एक में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही है जो कोविड-19 महामारी के कारण ब्रेक के बाद सीनियर टीम का पहला टूनार्मेंट होगा।

टोक्यो ओलंपिक के लिए वाटर पोलो परीक्षण प्रतियोगिता रद्द

टोक्यो, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक के लिए इस सप्ताहांत होने वाली वाटर पोलो परीक्षण प्रतियोगिता रद्द कर दी गयी है। जापानी मीडिया के अनुसार आयोजन समिति के

अधिकारियों ने हालांकि अभी इस रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की है। इस रिपोर्ट के अनुसार जापान में प्रवेश की कड़ी प्रक्रिया के कारण तकनीकी अधिकारी देश में नहीं आ पाए हैं, इस कारण यह प्रतियोगिता होना संभव नहीं था। इस प्रतियोगिता को रद्द करने की खबरें तब आई हैं जब पिछले साल स्थगित किए गए ओलंपिक के आयोजन को चार महीने से भी कम समय बचा है।

इस प्रतियोगिता का रद्द होना महामारी के बीच टोक्यो ओलंपिक खेलों के आयोजन का प्रयास कर रहे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और आयोजकों के लिए एक बड़ा झटका है। टोक्यो ओलंपिक 23 जुलाई से शुरू होंगे। वहीं दो अन्य परीक्षण प्रतियोगिताएं भी रद्द कर दी गई हैं। तैराकी की वैश्विक संस्था फिना ने अपनी वेबसाइट पर कहा है कि 18-23 अप्रैल तक टोक्यो में होने वाले गोताखोरी विश्व कप के साथ ही मई में होने वाली कलात्मक तैराकी को भी रद्द कर दिया गया है।

नौ से 18 अप्रैल तक होंगे एशियन ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट

लखनऊ, (एजेंसी)। कजाकिस्तान में नौ से 18 अप्रैल तक एशियन ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट होंगे। एशियन ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट और 2021 की सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के लिए एसटीसी लखनऊ में पांच ओलंपिक वजन वर्गों के लिए चयन ट्रायल आयोजित हुए, जिसमें पांच पहलवानों का चयन किया गया।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने अपने एक बयान में कहा है कि इस चयन ट्रायल से जिन पांच पहलवानों का चयन हुआ उनमें सीमा (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), निशा (68 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) का चयन किया गया। महासंघ ने साथ ही बताया कि एशियाई चैंपियनशिप के लिए शेष चार वजन वर्गों के लिए चयन ट्रायल 27 मार्च को आयोजित होगा।

पड्डिकल संक्रमण से उबरकर टीम से जुड़े

चेन्नई, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने कहा है कि उसके युवा बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल कोरोना संक्रमण से उबर गये हैं और अब बायो बबल में टीम के साथ जुड़ गये हैं।

आरसीबी और गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स के बीच शुक्रवार को यहां होने वाले मुकाबले के साथ ही आईपीएल सत्र शुरू होगा। आरसीबी फ्रेंचाइजी ने अपने एक बयान में कहा, हमें यह जानकारी देते हुए खुशी हो रही है कि हमारे युवा बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल बीसीसीआई के नियमों के अनुसार कोविड-19 की नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद एक बार फिर से टीम से जुड़ गए।

इस बयान के अनुसार, आरसीबी की मेडिकल टीम देवदत्त की सुरक्षा और बेहतरी तय करने के लिए लगातार उनके संपर्क में थी। पड्डिकल 22 मार्च को हुए परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने के बाद से ही अपने घर में पृथकवास में रह रहे थे। पड्डिकल पिछले सत्र में 15 मैचों में 473 रन के साथ आरसीबी की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी थे।

भारतीय क्रिकेटर मानसिक सेहत के मामले में विदेशियों से अधिक मजबूत : गांगुली

कोलकाता, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के क्रिकेटरों की तुलना में भारतीय खिलाड़ी मानसिक सेहत के मामले में अधिक मजबूत हैं। कोरोना महामारी के इस दौर में खिलाड़ियों को जैव सुरक्षा घेरे बायो-बबल में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ऐसे में उनका जीवन होटलों और स्टेडियमों तक ही सीमित है। ये खिलाड़ी बायो-बबल से बाहर किसी से मिल नहीं सकते, जिससे उनके लिए अपने को तरोताजा और प्रेरित रखना बेहद कठिन हो जाता है।

भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने भी हाल ही में कहा था कि इस हाल में खिलाड़ियों को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांगुली ने कहा कि मुझे लगता है कि विदेशी क्रिकेटरों की तुलना में हम भारतीय मानसिक सेहत को लेकर अधिक सहनशील हैं। मैंने इंग्लैंड, आस्ट्रेलियाई और वेस्टइंडीज के बहुत सारे क्रिकेटरों के साथ खेला है। वे मानसिक सेहत के मामले में जल्दी विचलित हो जाते हैं जबकि भारतीय हार नहीं मानते। पिछले छह-सात महीने से बायो-बबल में क्रिकेट हो रहा है और यह काफी कठिन है। होटल के कमरे से मैदान पर जाना, खेल के दबाव को संभालना और वापस कमरे में आ जाना और फिर से मैदान पर जाना, यह बिलकुल अलग तरह की मानसिक दबाव वाली जिंदगी है।

गांगुली ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे से हटने का भी उदाहरण दिया। बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने खिलाड़ियों, सहायक कर्मचारियों और समुदाय के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा खतरे का हवाला देते हुए तीन मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा रद्द किया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम को देखिये, भारत के खिलाफ श्रृंखला के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना था पर उन्होंने मना कर दिया। वहीं भारतीय टीम ने इस दौरान लगातार खेला है।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 का खतरा हमेशा ही बना रहेगा। इस दौरान आपको सकारात्मक रहना होगा, आपको अपने को मानसिक रूप से तैयार करना होगा। हम सभी को अपने को मानसिक रूप से प्रशिक्षित करना होगा ताकि हमारे साथ अच्छा होगा। यह तैयारी पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि आपको ऐसी स्थिति से निपटना होगा। यह आपकी मानसिकता के बारे में है। चाहे खेल हो या व्यवसाय या कुछ और जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। आपको हर हाल का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

रीयाल मैड्रिड के डिफेंडर वेरेन कोरोना संक्रमित हुए

मैड्रिड, (एजेंसी)। फुटबॉल क्लब रीयाल मैड्रिड के डिफेंडर फ्रांस के रफाइल वेरेन लीवरपूल के खिलाफ होने वाले चैंपियन्स लीग फुटबॉल मुकाबले से पहले कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। मैड्रिड क्लब ने कहा कि ऐसे में वेरेन लीवरपूल के खिलाफ मैड्रिड में होने वाले पहले चरण के मुकाबले में नहीं खेलेंगे। इसके साथ ही उनके बासीलोना के खिलाफ स्पेनिश लीग मुकाबले से भी बाहर होने की आशंकाएं बढ़ गयी हैं। मैड्रिड ने हालांकि कहा कि टीम के सदस्यों के परीक्षण में किसी अन्य को पॉजिटिव नहीं पाया गया है। वेरेन के बाहर होने से कोच जिनेदिन जिदान की परेशानियां और भी बढ़ गई हैं क्योंकि सेंट्रल डिफेंडर सर्जियो रामोस पहले ही घायल होने के कारण बाहर हैं।

काउंटी क्रिकेट में वारविकशर की ओर से खेलेंगे हनुमा

मुम्बई, (एजेंसी)। टेस्ट बल्लेबाज हनुमा विहारी अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। हनुमा काउंटी टीम वारविकशर की ओर से खेलेंगे। काउंटी में खेलने के लिए हनुमा इंग्लैंड पहुंच गये हैं। बर्मिंघम की इस काउंटी टीम के साथ वह इस काउंटी सत्र के कम से कम तीन मैचों में खेलेंगे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, हां, हनुमा इस सत्र में इंग्लैंड की काउंटी टीम वारविकशर की ओर से खेलेंगे। वह कुछ मैच खेलेंगे।। वहीं वारविकशर काउंटी के हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है पर बीसीसीआई अधिकारियों के अनुसार इसके करार से जुड़ी चीजों पर काम किया जा रहा है। वह कम से कम तीन मैच खेलेंगे।

हनुमा को इस बार आईपीएल में किसी टीम ने नहीं खरीदा था उसे में उनके पास काउंटी खेलने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं था। इस बल्लेबाज ने इससे पहले साल 2019 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया था पर उसके बाद से ही उन्हें आईपीएल नीलामी में किसी टीम ने नहीं खरीदा। इस बल्लेबाज ने टीम इंडिया की ओर से अबतक 12 टेस्ट में 32 के अधिक के औसत से 624 रन बनाये है। उन्होंने इस दौरान एक शतक और चार अर्धशतक लगाए है। बीसीसीआई चाहता है कि आगामी इंग्लैंड सीरीज को देखते हुए हनुमा को काउंटी में अधिक से अधिक खेलने का अवसर मिले क्योंकि उनके साथी खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं जिससे उन्हें अभ्यास का भी अवसर मिल जाएगा।

धोनी की सलाह से लाभ हुआ : नटराजन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। युवा गेंदबाज टी नटराजन ने कहा कि पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की धीमे बाउंसर और कटर डालने की सलाह से उन्हें लाभ हुआ है। इससे उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। बाएं हाथ के इस यार्कर विशेषज्ञ ने कहा कि पिछले आईपीएल में तेज गेंदबाजों के बीच उन्होंने सबसे अधिक 71 यॉर्कर गेंदे फेंकी और इसी कारण वह धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे खिलाड़ियों को आउट करने में सफल रहे थे। नटराजन ने कहा, धोनी जैसे खिलाड़ी से बात करना ही अपने आप में बड़ी बात है। उन्होंने मेरे से फिटनेस के बारे में बात की और मुझे प्रेरित किया। साथ ही कहा कि मैं अनुभव से बेहतर होता जाऊंगा। तब धोनी ने कहा था कि धीमी बाउंसर्स, कटर्स और इस तरह की विविधता का इस्तेमाल करो। यह मेरे लिए उपयोगी रहे। तेज गेंदबाज नटराजन ने पिछले आईपीएल में धोनी को आउट किया था। इस तेज गेंदबाज को आईपीएल में शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया और बाद में मुख्य टीम में जगह दी गई थी। नटराजन ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान तीनों प्रारूपों में पदार्पण करने में सफल रहे थे। आईपीएल के दौरान नटराज ने डिविलियर्स को भी आउट किया था जो इस लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेलते हैं।

सिराज, शुभमन, सुंदर और अक्षर हैं भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे

मुम्बई, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद इंग्लैंड के साथ भारतीय टीम को मिली जीत में युवा खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही है। इन्हें खिलाड़ियों पर भविष्य में भारतीय टीम का प्रदर्शन आधारित रहेगा। ये खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल, शुभमन गिल और अक्षर पटेल। तेज गेंदबाज सिराज ने ऑस्ट्रेलिया में अपने डेब्यू मैच के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। सिराज ने पहले ही मैच में 5 विकेट लिए। सीरीज के तीन मैचों में सिराज ने 13 विकेट लिए और जसप्रीत बुमराह, मो शमी, उमेश याद जैसे सीनियर गेंदबाजों की कमी टीम को नहीं खलने दी। वहीं युवा शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट की 6 पारियों में पांच में 30 से अधिक रन बनाए और दो अर्धशतक लगाए हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ 4 टेस्ट की 7 पारियों में वह एक सिर्फ अर्धशतक लगा सके लेकिन ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में 2-1 से मिली जीत में शुभमन की अहम भूमिका रही। शुभमन के अलावा युवा ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने भी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों के खिलाफ अपनी उपयोगिता साबित की है। वह ऑस्ट्रेलिया में टी20 टीम में शामिल थे। सुंदर ने ब्रिस्बेन टेस्ट की पहली पारी में 62 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट में मौका मिला। चेन्नई और अहमदाबाद में अर्धशतक लगाये। गेंदबाजी का अधिक मौका नहीं मिला पर दो विकेट लिए। वहीं अक्षर को रवींद्र जडेजा के फिट नहीं होने के कारण अवसर मिला। अक्षर ने अपने को साबित करते हुए सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैच में 27 विकेट लिए। चार पारियों में 5 विकेट जबकि एक मैच में 10 विकेट लेने क कारनामा किया। बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने अंतिम टेस्ट की पहली पारी में 43 रन की अहम पारी खेलकर दिखाया कि वह जरुरत पड़ने पर बल्लेबाजी में भी पीछे नहीं हैं।

आरसीबी के सैम्स भी पॉजिटिव पाये गये

चेन्नई, (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को करारा झटका लगा है। आरसीबी के खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल के बाद एक और खिलाड़ी पॉजिटिव पाया गया है। आरसीबी की टीम में शामिल ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल सैम्स भी कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं। आईपीएल की शुरूआत 9 अप्रैल से चेन्नई में होगी और इसका पहला मैच मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच खेला जाएगा।

आरसीबी के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सैम्स तीन अप्रैल को भारत पहुंचा था और उस समय उनके पास कोविड-19 परीक्षण की नेगेटिव रिपोर्ट थी। आरसीबी ने कहा, उनके (सैम्स के) 7 अप्रैल को हुए दूसरे परीक्षण की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है हालांकि सैम्स में अभी कोई लक्षण नहीं दिख रहा है और वह तय मेडिकल सुविधा के तहत पृथकवास से गुजर रहा है।

वहीं एक बयान के अनुसार, आरसीबी की मेडिकल टीम लगातार सैम्स के संपर्क में है और उनके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए है। वह इस दौरान बीसीसीआई के नियमों का भी पालन करेगी। आरसीबी की टीम टूनार्मेंट के पहले मुकाबले में शुक्रवार को गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स से खेलेगी। सैम्स ने अपने आईपीएल करियर में अब तक सिर्फ तीन आईपीएल मैच ही खेले हैं।

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं शुभमन

मुम्बई, (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल नौ अप्रैल से शुरू हो रहे आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। शुभमन का लक्ष्य इस टूनार्मेंट में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करना है। हाल में हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके बाद भी उन्हें खेलने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाये हैं क्योंकि टीम में बेहद प्रतिस्पर्धा है। शुभमन ने पिछली बार केकेआर की ओर से आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कुल 440 रन बनाए थे। ये पहला मौका था जब गिल ने आईपीएल में 300 से ज्यादा रन अपने खाते में जोड़े। इससे पहले पिछले दो सीजन में उन्होंने 296 और 203 रन ही बनाए थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज का प्रदर्शन, हालांकि, उनकी टीम को प्लेऑफ में ले जाने के लिए पर्याप्त नहीं था। दो बार की आईपीएल विजेता टीम ने 14 में से 7 लीग मैच जीते और 14 अंकों के साथ अंक तालिका में 5वें स्थान पर रही थी।

केकेआर को भी इस बार शुभमन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। पिछले साल यह युवा बल्लेबाज पारी की शुरूआत करते हुए धीमे स्ट्राइक रेट के कारण लोगों के निशाने पर आया था। टूनार्मेंट में 400 से अधिक रन बनाने के बाद भी उनका स्ट्राइक रेट केवल 117.96 था। केकेआर ने गिल की इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है जिसपर एक यूजर ने गिल को टुक-टुक प्लेयर बताया था। जिस पर शुभमन ने उस यूजर को करारा जवाब भी दिया था।

नीरज और हिमा सहित भारतीय भारतीय खिलाड़ी तुर्की में अभ्यास करेंगे

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और धाविका हिमा दास सहित भारतीय ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ी इस महीने के अंत में तुर्की में अभ्यास करेंगे और इस बीच कुछ प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेंगे। नीरज चोपड़ा और शिवपाल सिंह के डायमंड लीग में भाग लेने की संभावना है जिसका पहला चरण 23 मई को मोरक्को की राजधानी रबात में होगा।

वहीं चोपड़ा के अलावा ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भाला फेंक के एक अन्य एथलीट शिवपाल सिंह, देश की रिले टीमें के एथलीट भी 40 सदस्यीय दल का हिस्सा होंगे। इनमें कोच भी शामिल हैं। वे तुर्की के शहर एंताल्या में रहेंगे और कुछ प्रतियोगिताओं में भी भाग लेंगे जहां कुछ एथलीट ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास कर सकते हैं।

एशियाई खेल 2018 में महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर और मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाली हिमा 4 गुणा 100 रिले का अभ्यास करेगी। भारतीय रिले टीम पोलैंड के सिलेसिया में एक और 2 मई को होने वाली विश्व एथलेटिक्स रिले में भी भाग लेगी।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने कहा, हमें तुर्की में अभ्यास करने और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) से सहमति मिल गई है। यह लगभग 40 सदस्यीय दल होगा जिसमें कोच भी शामिल हैं। हमें विभिन्न कारणों से यूरोप में अभ्यास के लिये स्थल नहीं मिला, इसलिए हमने तुर्की जाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी तुर्की में कुछ प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेंगे और जिन्होंने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं किया है वे क्वालीफाई कर सकते हैं। वहां सुविधाएं शीर्ष स्तर की हैं और मौसम भी अच्छा है। वहीं देश की रिले टीमें तुर्की से पोलैंड जाकर विश्व एथलेटिक्स रिले में भाग लेंगी। विश्व एथलेटिक्स रिले की शीर्ष आठ टीमें स्वतः ही टोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करेंगी।

आईपीएल : पडीक्कल के नहीं खेलने पर युवा अजहरुद्दीन कर सकते हैं पारी की शुरूआत

मुम्बई, (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबा देवदत्त पडीक्कल कोरोना संक्रमित होने के कारण आईपीएल के शुरूआती मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उनकी जगह कप्तान विराट कोहली केरल के युवा बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को उतार सकते हैं। आरसीबी का पहला मुकाबला 9 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होना है। यह मैच चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। पडीक्कल के पहले मैच तक फिट नहीं होने के कारण अजहरुद्दीन को कप्तान विराट के साथ के साथ पारी की शुरूआत कर सकते हैं। अजहरुद्दीन ने इस साल सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की तरफ से शतक लगाकर सबका ध्यान खींचा था।

इस युवा बल्लेबाज इस टूनार्मेंट के पांच मैचों में 53.50 की शानदार औसत से 214 रन बनाये थे। खास बात यह है कि उनका इस दौरान स्ट्राइक रेट 194.54 का रहा था, जो कि शानदार है। उन्होंने एक मैच में मात्र 54 गेंदों पर 137 रनों की धुआंधार पारी खेली थी। इसके बाद आईपीएल नीलामी में आरसीबी ने उन्हें उनके बेस प्राइज 20 लाख रुपये में खरीदा था। आरसीबी टीम की तरफ से चुने जाने के बाद अजहरुद्दीन ने कप्तान विराट की जमकर तारीफ करते हुए कहा था कि अगर उन्हें विराट के साथ पारी की शुरूआत का अवसर मिला तो यह उनके लिए बहुत बड़ी बात होगी।